दैनिक राष्ट्रीय समाचार पत्र

D Edition

Reg.No.RJ26D00120077

भारत टाइम्स

www.bharattimenews.com

सत्यमेव परं श्रुतम्

Bharattimesnews01@gmail.com

विचार

अकेलेपन में भी कुछ है जो नितांत आकर्षक है, सर्वथा सुखकर है लेकिन अफसोस कि उसे पा सकना अकेले के बस का नहीं।

मनोहर श्याम जोशी ...

पेज 4

वर्ष- 2 | अंक-247 | दिल्ली, गुरूवार 17 अक्टूबर 2024 | पेज-8 | ई-पेपर नई दिल्ली से प्रसारित

न्यूज. ब्रीफ

भूकंप के भयानक झटकों से दहला तुर्की

अंकारा। भूकंप के भयानक झटकों से तुर्की बुधवार को हिल गया है। बताया जा रहा है कि बुधवार को पूर्वी तुर्किये में भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.9 आंकी गई है। भूकंप के झटके लगने से लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि भूकंप से किसी तरह के नुकसान की तत्काल कोई सूचना नहीं है। सरकारी आपदा एवं आपातकालीन प्रबंधन प्रेसीडेंसी के अनुसार, 5.9 तीव्रता का भूकंप मालाट्या प्रांत के काले शहर में आया। रिपोर्ट के अनुसार भूकंप का असर निकटवर्ती शहरों दियारबाकिर, एलाजिग, एर्जिनकन और टुन्सेली में भी महसूस किया गया। प्रशासन ने बताया, ह्यहहमें अब तक किसी भी समस्या की कोई सूचना नहीं मिली है।

ग्रामीणों ने उठाया रसिया दंगल का जमकर लुत्फ

अलीगढ़। अकराबाद कस्बा में रामलीला कमेटी के प्रबंधक गिर्राज शर्मा उर्फ बबाली बाबा के द्वारा रामलीला समापन के बाद मंगलवार की रात रामलीला मैदान में विशाल रसिया दंगल का आयोजन कराया गया। जिसका शुभारंभ अखिल भारतीय पंचायत परिषद के प्रदेश उपाध्यक्ष ठा. धीरेंद्र प्रताप सिंह एवं मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव महेश वघेल ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। वहीं रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने दोनों मुख्य अतिथियों का फूल मालाएं एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। रसिया दंगल का मुकाबला बीके मधुआ राय एवं गोपाल जनाना मुरसान के बीच हुआ।

पन्नू मामले में लगे आरोपों का पदार्फाश करने अमेरिका गई भारतीय टीम

वाशिंगटन। अमेरिका ने खालिस्तानी नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की नाकाम साजिश में एक भारतीय सरकारी अधिकारी के शामिल होने का आरोप लगाया है। हालांकि, भारत ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है और जांच के लिए सबूत मांगे हैं। अब इस मामले में भारत ने एक जांच समिति गठित कर उसे अमेरिका भेजा है। इस समिति में भारत के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर विक्रम मिस्री और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल सेक्रेटेरिएट के अधिकारी शामिल हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक भारतीय जांच समिति का उद्देश्य अमेरिका के आरोपों की गहराई से जांच करना और सूचनाओं का आदान-प्रदान करना है।

ऐसा क्या हुआ कश्मीर के मुद्दे पर चुप्पी साधे रहे प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद। एससीओ बैठक में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इजरायल-गाजा संघर्ष पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान केंद्रित करने का आह्वान किया, लेकिन कश्मीर मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी। अपने इस बयान के साथ पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने बुधवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्षों की परिषद (सीएचजी) की बैठक का समापन हुआ। इस महत्वपूर्ण बैठक के दौरान शरीफ ने इजरायल-गाजा संघर्ष पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से तत्काल ध्यान केंद्रित करने की अपील की।

केंद्र शासित जम्मू कश्मीर की पहली सरकार का गठन

पांच मंत्रियों ने ली शपथ

2 कश्मीर, 2 जम्मू और 1 चिनाब से मंत्री, कांग्रेस के लिए खाली रखा पद

शपथ ग्रहण समारोह कश्मीर की खूबसूरत डल झील के किनारे शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें उमर अब्दुल्ला ने सीएम और उनके साथ ही पांच मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

जम्मू। केंद्र शासित जम्मू कश्मीर में पहली सरकार का गठन हो गया है। दस साल बाद जम्मू कश्मीर की जनता को चुनाव के बाद को निर्वाचित सरकार मिली है और उमर अब्दुल्ला ने केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के पहले सीएम के रूप में शपथ ले ली है। शपथ ग्रहण समारोह कश्मीर की खूबसूरत डल झील के किनारे शेर-ए-कश्मीर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सेंटर में आयोजित किया गया, जिसमें उमर अब्दुल्ला ने सीएम और उनके साथ ही पांच मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। शपथ लेने वाले सभी पांचों मंत्री नेशनल कॉन्फ्रेंस कोटे के ही हैं। उमर मंत्रिमंडल के शपथग्रहण में कांग्रेस के किसी विधायक ने मंत्री पद की शपथ नहीं ली है। इसके पीछे मंत्री पद को लेकर खींचतान बताई जा रही है। कांग्रेस दो मंत्री पद मांग रही थी जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस एक देने को तैयार थी। उमर मंत्रिमंडल में पहले सीएम समेत दस मंत्रियों के शपथ लेने की खबर थी लेकिन बाद में पांच प्लस एक के फॉर्मूले पर सरकार का गठन हुआ। जम्मू और कश्मीर की सरकार में जिन पांच नेताओं ने सीएम उमर के साथ मंत्री पद की शपथ ली है, उनमें सतीश शर्मा, सुरेंद्र चौधरी, सकीना येट्टू, जावेद डार और जावेद राणा शामिल हैं। उमर मंत्रिमंडल में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष रविंदर रैना को पटखनी देने वाले सुरेंद्र चौधरी और सतीश शर्मा के रूप में दो हिंदू चेहरे भी शामिल किए हैं। उमर मंत्रिमंडल के गठन में कश्मीर घाटी के साथ ही चिनाब घाटी और जम्मू रीजन का बैलेंस साधने की कवायद साफ नजर आ रही है। नेशनल कॉन्फ्रेंस को जिस कश्मीर घाटी से सबसे ज्यादा सीटें हासिल हुई हैं, उस रीजन से उमर सरकार में दो मंत्री बनाए गए हैं। जम्मू रीजन से भी दो और चिनाब घाटी से एक नेता को मंत्री बनाया गया है। अरविंद केजरीवाल अपने इकलौते विधायक वली को जिम्मेदारी देने की बात कर रहे थे। वहीं, कांग्रेस भी दो मंत्री पद की डिमांड कर रही थी। अब उमर अब्दुल्ला ने कैबिनेट में चार बर्थ खाली रखी हैं तो इसे कांग्रेस के लिए स्पेस बचाए रखने की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर पुनर्गठन विधेयक 2019 के मुताबिक इस केंद्र शासित प्रदेश में सीएम समेत मंत्रियों की संख्या विधानसभा की स्ट्रेंथ के दस फीसदी से ज्यादा नहीं हो सकती है। जम्मू कश्मीर विधानसभा की 90 सीटों पर चुनाव हुए थे और उपराज्यपाल की ओर से पांच विधायकों के मनोनयन को भी जोड़ लें तो सदन की स्ट्रेंथ 95 पहुंचती है। दस फीसदी वाली कैप भी है, ऐसे में मंत्रिमंडल में सदस्यों की कुल संख्या 9.5 यानि ज्यादा दस ही हो सकती है। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजों में नेशनल कॉन्फ्रेंस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। नेशनल कॉन्फ्रेंस को 90 में से 42 विधानसभा सीटों पर जीत मिली थी जबकि छह सीटों पर उसकी गठबंधन सहयोगी कांग्रेस के उम्मीदवार जीते थे। एक सीट से नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की सहयोगी सीपीएम को जीत मिली थी। तीनों दलों के इस चुनाव पूर्व गठबंधन को 49 सीटों पर जीत के साथ पूर्ण बहुमत मिला था। वहीं, चार निर्दलीय विधायक भी उमर सरकार के समर्थन का ऐलान कर चुके हैं।

दार्जिलिंग में लगेगा प्रतिदिन 1,000 लीटर की क्षमता वाला पहला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

नई दिल्ली। देशभर में रक्षा विभाग ने स्वच्छता अभियान पहल के तहत अपने 3,832 स्थानों में 2,705 स्थलों को सफलतापूर्वक कवर किया है और इसका पूरे देश में सकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। 15 अक्टूबर, 2024 तक 20,976 से अधिक फाइलों की समीक्षा की गई है और 5,391 फाइलों को हटा दिया गया है। इसके परिणामस्वरूप 195 हजार वर्ग फीट मूल्यवान स्थान खाली हो गया है। स्क्रैप सामग्री और अप्रचलित आईटी उपकरणों के निपटान के माध्यम से 21.1 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। इन स्थानों में सैन्य अस्पताल, रक्षा लेखा महानियंत्रक, सीमा सड़क संगठन, भारतीय तटरक्षक राष्ट्रीय कैडेट कोर, सैनिक स्कूल, कैंटीन स्टोर विभाग और छावनी के साथ-साथ नेहरू पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी तथा हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान, दार्जिलिंग के स्थल शामिल हैं। इस अभियान में छावनी सबसे आगे रही हैं, उन्होंने मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए अभियान चलाए हैं। इसके साथ ही छावनी में स्वयंसेवकों के साथ मिलकर स्थानीय समुदायों के लिए कचरे को अलग करने की कार्यशालाओं का आयोजन किया है। कचरा संभावित क्षेत्र (जीवीपी) में वृक्षारोपण किया जा रहा है तथा पार्कों में सूखी पत्तियों से खाद बनाने की पहल के साथ सार्वजनिक स्थानों को और बेहतर बनाया गया है। हिमालय पर्वतारोहण संस्थान ने दार्जिलिंग में पहला सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किया है।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने केंद्र सरकार द्वारा रबी की फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने पर प्रधानमंत्री मोदी का किया आभार

प्रधानमंत्री जी किसानों का जीवन बदलने का कार्य कर रहे हैं

करोड़ों किसानों को आर्थिक रूप से सक्षम बनाएगा केंद्र का एमएसपी बढ़ाने का निर्णय -जीतू जिराती

किसानों से छल करने वालों को जवाब है मोदी सरकार का निर्णय

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने कहा कि रबी की फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाने का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार का निर्णय उन नेताओं तथा राजनीतिक दलों को करारा जवाब है, जो किसानों से छल करके, उन्हें भ्रमित करके, उनके नाम पर राजनीति करना चाहते हैं। ये निर्णय उन संगठनों के मुंह पर भी तमाचा है, जो किसानों को आंदोलन के लिए भड़काकर देश की आंतरिक सुरक्षा से खेलना चाहते हैं। श्री जिराती ने कहा कि मोदी सरकार का यह निर्णय उन दलों के लिए भी जवाब है, जो किसानों से झूठे वादे करके सरकार बना लेते हैं, लेकिन बाद में अपने वादों से मुकर जाते हैं और किसानों को कर्जदार बना देते हैं।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने केंद्र सरकार द्वारा रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त की है। उन्होंने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी किसानों के नाम पर राजनीति नहीं करती और न ही उन्हें वोट बैंक मानती है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार अन्नदाताओं के जीवन को संवारना चाहती है और केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा बुधवार को रबी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य बढ़ाने का जो निर्णय लिया है, वह इस दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रदेश उपाध्यक्ष जिराती ने समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराजसिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष जीतू जिराती ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को रबी की अनेक फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि का निर्णय लिया है, जिसका लाभ देश और प्रदेश के करोड़ों किसानों को मिलेगा। केंद्र सरकार ने गेहूं के समर्थन मूल्य में 150 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की है। जिसके बाद अब गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये हो गया है। इसी तरह जौ के समर्थन मूल्य में 130 रुपये, चने में 210 रुपये, मसूर में 275 रुपये, सरसों-तिलहन में 300 रुपये तथा कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य में 140 रुपये की वृद्धि की गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के इस निर्णय से अब किसानों को इन फसलों का अधिक लाभकारी मूल्य मिल सकेगा।

नायब सैनी होंगे हरियाणा के अगले मुख्यमंत्री

शाह और मोहन यादव की मौजूदगी में हुई विधायक दल की बैठक में हुआ फैसला

पंचकुला। हरियाणा में सियासी हलचल के बीच, नायब सिंह सैनी को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद ज़िम्मेदारी सौंपे जाने का फैसला ले लिया गया है। यह फैसला विधायक दल की बैठक में लिया गया, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मौजूद थे। विधायक दल की अहम बैठक में सर्वसम्मति से नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाए जाने के फैसले पर पर मुहर लगा दी गई। इसके साथ ही अब सैनी दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हरियाणा में सैनी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। भाजपा को सैनी के नेतृत्व में ही बड़ा जनसमर्थन हासिल हुआ है, ऐसे में उनके मुख्यमंत्री बनने की दावेदारी मजबूत रही है। इसके साथ ही हरियाणा में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा के साथ ही अब कैबिनेट के चेहरे तय होना बाकी है। इससे पहले सीएम पद पर फंसी पेंच को सुलझाने पार्टी के बड़े नेता हरियाणा पहुंचे और पंचकुला में विधायक दल की बैठक आयोजित कर सर्वसम्मति से सैनी को अलगा मुख्यमंत्री घोषित कर दिया गया। विधायक दल की बैठक में 48 विधायक सहित केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शामिल हुए। यहां बताते चलें कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा को 90 में से 48 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस ने 37 सीटों पर जीत हासिल की है। ऐसे में भाजपा ने लगातार तीसरी बार राज्य में अपना कब्जा जमाया और अब वह सैनी के नेतृत्व में सरकार बनाने जा रही है।

उपराष्ट्रपति धनखड़, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के 31 वें स्थापना दिवस पर होंगे मुख्य अतिथि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग (एनएचआरसी), भारत 18 अक्टूबर 2024 को विज्ञान भवन में अपना 31वां स्थापना दिवस मनाने के लिए एक समारोह का आयोजन कर रहा है। इस अवसर पर भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ बतौर मुख्य अतिथि, एनएचआरसी, भारत की कार्यवाहक अध्यक्ष विजया भारती सयानी और महासचिव भरत लाल तथा आयोग के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गणमान्य हस्तियों को संबोधित करेंगे। स्थापना दिवस समारोह, मानवाधिकारों की रक्षा और प्रचार के लिए आयोग की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इसके बाद आयोग वृद्धजनों के अधिकारों पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का भी आयोजन करेगा, जिसका विषय भारत के बुजुर्गों के लिए संरचनात्मक ढांचे, कानूनी सुरक्षा उपाय, सुरक्षा अधिकार और संस्थागत संरक्षण का आकलन होगा। सम्मेलन तीन प्रमुख तकनीकी सत्रों के तहत वृद्ध व्यक्तियों की विभिन्न चिंताओं को संबोधित करेगा, जिसमें एजिंग पॉपुलेशन को संबोधित करना, एजिंग का लिंग परिप्रेक्ष्य, और पर हेल्थकेयर लैंडस्केप-प्रभाव का मूल्यांकन -स्वस्थ जीवन, उत्पादकता और सामाजिक सुरक्षा शामिल है।

भांजे की पत्नी को ले उड़ा मामा

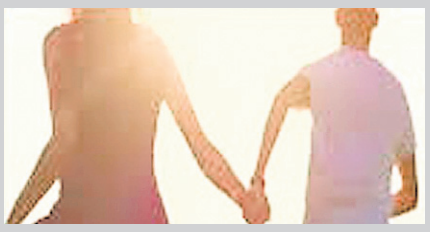

अलीगढ़। थाना गंगीरी पुलिस ने आठ दिन से लापता युवक को भांजे ने अपनी पत्नी के साथ अलीगढ़ शहर में पकड़ लिया। अब युवक और उसके भांजे की पत्नी पुलिस और परिजनों के सामने साथ रहने की जिद पर अड़े हैं। युवक अचानक लापता हो गया। आठ दिन बाद भांजे युवक को अपनी पत्नी के साथ पकड़ लिया। जब दोनों को पुलिस आर परिवार वालों के सामने लाया गया तो बात और बढ़ गई। युवक और भांजे की पत्नी एक साथ रहने की जिद पर अड़ गए। गंगीरी के गांव नगला हिमाचल से आठ दिन पहले लापता हुआ सुनील कुमार अपने भांजे की पत्नी की साथ पकड़ा गया है। उसे भांजे ने ही अपनी पत्नी के साथ अलीगढ़ शहर में पकड़ लिया। इसके बाद फोन कर पनैठी चौकी पुलिस को बुला लिया। अब सुनील और उसके भांजे की पत्नी पुलिस और परिजनों के सामने साथ रहने की जिद पर अड़े हैं।

पति पत्नी और वो का झगड़ा, गाली गलौज के बाद जान से मारने की धमकीं, केस दर्ज

इन्दौर। पति को दूसरी महिला के साथ बाइक पर देख जब पत्नी ने उससे पूछा कि यह किसके साथ और क्यों घूम रहे हो तो पति और दूसरी महिला ने उसके साथ गाली गलौज करते उसकी पिटाई कर दी यही नहीं पति ने तलाक देने का कहते जान से मारने की धमकीं भी दी। मामला विजयनगर थाना क्षेत्र का है। पुलिस ने पीड़ित महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। विजयनगर थाना पुलिस के अनुसार माधुरी गुंजन उम्र तीस साल निवासी वक्ताम्बर देवजी मार्ग धार की शिकायत पर उसके पति विनय पिता मनोहरलाल गुंजन उम्र पैंतीस साल निवासी लोकमान्य नगर व श्रद्धा जोशी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया है। माधुरी ने पुलिस को अपनी शिकायत में बताया कि कल शाम मैं अपने रिश्तेदार के यहां एक कार्यक्रम में आई थी। जहां से रात 8.30 बजे के करीब घर लौटते समय मैं जैसे ही रसोमा चौराहा स्थित वाइन शॉप के पास पहुंची, तभी मुझे मेरा पति विनय गैर महिला के साथ बाइक क्रमांक एमपी 11-एम जेड-8666 से जाता दिखा। उसे रोककर जब मैंने पूछा कि ये किसके साथ घूम रहे हो तो विनय और वह महिला श्रद्धा जोशी मेरे साथ गालीगलौज करने लगे।

वूमेन अचीवर अवार्ड से चालीस महिलाओं की प्रतिभाओं को किया सम्मानित

देहरादून। झलक इरा लाइफस्टाइल एग्जिबिशन के दौरान वूमेन अचीवर अवार्ड से चालीस महिलाओं की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजपुर रोड स्थित एक होटल में सम्मानित होने वाली महिलाओं में बीजोय सेवीयान, ममता नागर, सिमरन गुलाटी ,वीनू ढींगरा, स्मृति भट्ट, इंदु पवार, रचना दुष्यंत सिंह, रुबिशा डाबर, छवि डाबर, दीपांजलि सिंह, मोना वर्मा, एडवोकेट रितु गुजराल, सुमन नैनवाल, वंदना अग्रवाल, साधना शर्मा, राशि सिंघल, रीता अग्रवाल, साधना जयराज, संगीता जैन, राखी नागलिया, सुमन नागलिया, अमित गुप्ता, प्रदीप्त रमोला, आचार्य वर्षा माटा, डॉ. रोमी सलूजा, अनु गोयल, कोमल वोहरा, नीरा मित्तल, सोनल वर्मा प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर झलक इरा लाइफस्टाइल एग्जिबिशन के दौरान महिलाओं ने जमकर दीपावली की शॉपिंग की। इस बार देहरादून ही नहीं आसपास के पड़ोसी राज्यों व क्षेत्र से भी लोगों ने स्टाल लगाए हुए थे जिनका उत्साह देखते ही बन रहा था।

सौर ऊर्जा में "लंग्स ऑफ इन्क्रेडिबल इण्डिया" के विजन पर अग्रसर प्रदेश- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश में संचालित होने वाले सोलर प्रोजेक्ट्स की बदौलत हॉर्ट ऑफ इन्क्रेडिबल इण्डिया नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काम करते हुए ''लंग्स ऑफ इन्क्रेडिबल इण्डिया'' बनने के विजन की ओर अग्रसर है।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश अपनी विशेष पहचान बना रहा है। सोलर प्रोजेक्ट की स्थापना के लिये मध्यप्रदेश उद्योगपतियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि गाँधी नगर में आयोजित चौथे ग्लोबल मीट रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर मीट में उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश में अपने प्रोजेक्ट लगाने में रुचि दिखाई। मध्यप्रदेश में संचालित होने वाले सोलर प्रोजेक्ट्स की बदौलत हॉर्ट ऑफ इन्क्रेडिबल इण्डिया नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में काम करते हुए ''लंग्स ऑफ इन्क्रेडिबल इण्डिया'' बनने के विजन की ओर अग्रसर है। मध्यप्रदेश में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। ओंकारेश्वर में विश्व का सबसे बड़ा फ्लोटिंग सोलर प्रोजेक्ट तैयार हो रहा है। रीवा का 1590 हेक्टेयर में स्थापित सोलर प्रोजेक्ट विश्व के सबसे बड़े सिंगल साइड सोलर प्लांट में से एक है। अब प्रदेश ने एक और नई पहल की है। मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश में पीपीपी मोड में 8 हजार मेगावॉट सोलर एनर्जी जनरेशन के ज्वाइंट एडवेंचर संबंधी परियोजना पर सहमति बन गई है। इसमें मुरैना, शिवपुरी, सागर और धार में सोलर प्रोजेक्ट लगेंगे, जिनसे जनरेट होने वाली बिजली का उपयोग दोनों राज्यों में सिंचाई के लिये किया जा सकेगा। मध्यप्रदेश में आज 7 हजार मेगावॉट सोलर एनर्जी जनरेट की जा रही है।

कुल ऊर्जा क्षमता में रिन्यूएबल एनर्जी की हिस्सेदारी 21 प्रतिशत हो गई है। वर्ष 2012 में मात्र 500 मेगावॉट सोलर एनर्जी की क्षमता थी। प्रदेश ने मात्र 12 वर्ष की अवधि में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में 14 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। राज्य सरकार वर्ष 2030 तक इसे बढ़ाकर 20 हजार मेगावॉट के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। गाँधी नगर में हुई चौथी ग्लोबल रिन्यूएबल एनर्जी इन्वेस्टर समिट में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के साथ उद्योगपतियों ने वन-टू-वन चर्चा की। अवाडा ग्रुप ने प्रदेश में 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश संबंधी प्रस्ताव दिये। रिन्यू पॉवर ने भी प्रदेश में 6 हजार करोड़ रुपये निवेश करने की रुचि दिखाई। वन-टू-वन चर्चा में विण्ड पॉवर एसोसिएशन, हीरो फ्यूचर एनर्जी, टोरेंट पॉवर, शक्ति पम्प्स, सिंगापुर की सेम्बकॉर्प, वारी एनर्जी, सेरेंटिका, शेल ग्रुप सुजलान, वेलस्पन, वेना एनर्जी, ब्ल्यू लीफ बोरोसिल ग्रुप, स्टेट क्रॉफ्ट के मुखियाओं ने मध्यप्रदेश में रुचि दर्शाई है।

अलवर जिले की रामगढ़ विधान सभा के चुनाव का बज गया बिगुल

लगभग 60 हजार मतों से 2023 का चुनाव हारी थी भाजपा

फूंक फूंक कर रख रही है पार्टी कदम

♦भारत टाइम्स♦

गोविंदगढ़/अलवर। गोविन्द गढ़ राजस्थान विधान सभा में 7 सीटो पर उप चुनाव होने हैं जिनमे पांच सीटों पर लोक सभा मे चुने जाने तथा दो विधायकों की मृत्यु के बाद सीट खाली हुई है इन सभी सीटों पर आचार संहिता लग गई है। अलवर जिले की रामगढ़ विधान सभा की सीट पर कांग्रेस के विधायक जुबेर खान के इंतकाल के बाद चुनाव होना है जिस पर प्रशासन ने अपनी कमर कस ली है। रामगढ़ विधान सभा के इतिहास में 1992 तथा 1993 से

1998 तक लगातार दो बार कांग्रेस तथा 1998 से 2003 में भाजपा ने अपनी जीत दर्ज की। 2003 से 2008 के चुनाव कांग्रेस ने बाजी मारी। 2008 से लेकर 2013 तथा 2013 से लेकर 2018 तक भाजपा के खाते में यह सीट आई थी 2018 के चुनावो में विधायक ज्ञान देव आहुजा का टिकिट काट कर लक्ष्मण गढ़ पंचायत समिति के प्रधान रहे सुखवंत सिंह को भाजपा का टिकिट दिया गया। चुनावो के बीच बसपा प्रत्यासी लक्ष्मण सिंह की मृत्यु के बाद चुनाव स्थगित हो गया और कांग्रेस की सरकार बन गई और फिर यह चुनाव दोबारा 2019 जनवरी माह में हुआ जिसमे पूर्व केंद्रीय मंत्री नटवर सिंह के पुत्र जगत सिंह को बसपा से रणनीति के तहत चुनाव लड़ाया गया जिसमे जगत सिंह को हार का मुंह देखना पड़ा ओर जमानत जप्त हुई। और कांग्रेस की ओर से सभी रणनीति अपनाने के बाद भी भाजपा के प्रत्यासी सुखवंत सिंह करीब 72000 हजार मत लेकर दूसरे नम्बर पर रहे और कांग्रेस के प्रत्यासी सफिया खान को करीब 84000 मत मिले। 2023 के चुनावो में कांग्रेस ने जुबेर खान को टिकिट देकर मैदान में उतारा तो भाजपा ने एन वक्त पर सुखवंत सिंह का टिकिट काट कर ज्ञान देव आहुजा के भतीजे जय आहुजा को टिकिट दे दिया। इस टिकिट की घोषणा पर विधान सभा के लोगो में विरोध के स्वर उठने लगे और कांग्रेस के साथ साथ भाजपा के परिवार वाद तथा बाहरी वाद के

पार्टी क्या पिछली गलती दोहराएगी भाजपा

खिलाफ आवाज बुलंद होने लगी। यह आग इतनी तेज लगी की विधान सभा के लोगो ने इन चुनावो में प्रत्यासियों का बहिस्कार करना शुरू किया और अपना उम्मीदवार सुखवंत सिंह को चुनकर मैदान में उतार दिया और आजाद समाज पार्टी के टिकिट पर विधान सभा के लोगो ने चुनाव लड़ाया। विधान सभा के मत दाताओं ने इस चुनाव को आंधी के रूप में परिवर्तित किया किंतु त्रिकोणीय मुकाबले में सुखवंत सिंह को 74000 मत मिले और भाजपा के प्रत्यासी जय आहुजा को 34000 मत मिले और भाजपा 2023 के विधान सभा के चुनावो में अपनी जमानत भी नहीं बचा पाई। और कांग्रेस के प्रत्यासी जुबेर खान भाजपा के प्रत्यासी से करीब 60,000 हजार मतों से चुनाव जीते। चुनावो के एक वर्ष बाद कांग्रेस विधायक जुबेर खान का इंतकाल हो जाने के बाद इस विधान सभा के चुनावो मे दोनो ही पार्टियां कड़ी मेहनत कर रही है। अब देखने वाली बात यह है कि 60 हजार के अंतराल से हारी हुई बाजी को बीजेपी किस तरह की रणनीति बनाएगी। कांग्रेस भी स्व जुबेर खान के परिवार के सदस्य को टिकिट देकर सहनुभूति बटोरने की कोशिश करेगी। भाजपा की ओर से चुनाव लडने वालो की लम्बी लिस्ट हे जिसमे 2023 के चुनाव में 74000 मत पाने वाले आसपा से प्रत्यासी रहे सुखवंत सिंह जिन्हे लोक सभा के चुनावो में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र सिंह ने जयपुर मे स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा में शामिल करवाया था, पूर्व दो बार के अलवर शहर के विधायक बनवारी लाल सिंघल, 2023 विधान सभा के प्रत्यासी जय आहुजा, रामगढ़ के पूर्व विधायक रघुवर दयाल गोयल के पुत्र नरेश गोयल, रमन गुलाटी, शह देव सिंह, ईश भारद्वाज सहित दर्जन लोग भाजपा का टिकिट मांग रहे है। भाजपा अब की बार इस सीट को जीत की निगाह से देख रही है और इसे हर हाल में जीतना चाहती हैं तथा पिछली बार की हुई गलती से सबक सीख कर फूंक फूंक कर कदम रख रही है और कांग्रेस सहानुभूति बटोरने के साथ साथ परिवार के किसी सदस्य को चुनाव लडा सकती हैं । विधान सभा के लोग इस बार भी परिवार वाद और बाहरी प्रत्यासियो के खिलाफ हे। इस विधान सभा में एक वर्ग विशेष की एक जुट वोट डलती ओर दूसरी ओर वोट अलग अलग जगहों में बंट जाती हैं जिसका सीधा सीधा लाभ कांग्रेस को मिलता हे और लगातार दो बार कांग्रेस को जीत भी मिली है अब राजस्थान तथा केंद्र में भाजपा की सरकार है केंद्र तथा राज्य सरकार के मंत्रियों की प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई है। और इस शीट पर दोनो मंत्रियों को अपनी साख बचानी है ऐसे में प्रत्यासी के चयन में कोई कोताही नहीं बरतेंगे और विधान सभा के लोगो की रायशुमारी से टिकिट वितरण किया जाएगा।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार

अभियान के तहत की गई कार्यवाही

♦भारत टाइम्स♦

अलवर /राजेश गुप्ता। राज्य सरकार द्वारा दिपावली के त्योहार को देखते हुए शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवम औषधि नियंत्रक महोदय,अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवम औषधि नियंत्रक महोदय पंकज ओझा ,एडीएम बीना महावर अलवर एवम मुख्य चिकित्सा एवम स्वास्थ्य अधिकारी अलवर योगेंद्र शर्मा के निर्देशन अनुसार रामगढ़ में शिकायत पर पनीर के भट्ठों पर कार्यवाही की गई। खाद्य सुरक्षा अधिकारी नेहा शर्मा ने बताया की गांव काला कोठी रामगढ़ में मेसर्स इरफान डेयरी से पनीर, मेसर्स एच के डेयरी से पनीर का सैंपल लिया गया साथ ही निरीक्षण के दौरान दोनों डेरियों पर तेल के खाली पीपे एवं दूध बनाने का पाउडर मिला, जिसको मिलाकर के पनीर एवं दूध तैयार किया जा रहा था। पूछताछ पर मालूम हुआ कि यहां से पनीर तैयार होकर जयपुर एवं आस -पास के क्षेत्रों में बिक्री के लिये भेजा जाता है। इस दौरान दोनों डेरियों में करीब 150 ह्यॅ दूषित एवं मिलावटी पनीर एवं 400 लीटर दूषित एवं मिलावटी दूध जो की पाउडर से तैयार किया जा रहा था, उसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। साथ ही मेसर्स चौधरी डेयरी से घी का सैंपल लिया गया एवम बेलाका मोड से मेसर्स श्री जोधपुर स्वीट्स से मावा मिठाई का सैंपल लिया गया। साथ ही इस दौरान मिष्ठान भंडारों को साफ-सफाई रखने के निर्देश दिए गए एवम खाद्य कारोबार कताओं को खाद्य पदार्थों के रख रखाव एवम फूड सेफ्टी से संबधित नियमों की जानकारी दी गई।

इफको द्वारा रिटेलर मीट का आयोजन

डी ए पी से खेत की मिट्टी कठोर, नैनो डी ए पी से बीज उपचार करे किसानः सुधीर मान

♦भारत टाइम्स♦

चितौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी)। मंगलवार को शहर मे इफको द्वारा रिटेलर मीट का आयोजन किया गया जिसमे मुख्य अतिथि लक्ष्मण सिँह खोर , अध्यक्ष , चित्तौडगढ केंद्रीय सहकारी बैंक, सुधीर मान, राज्य विपणन प्रबंधक , इफको , जयपुर , शम्भु लाल मेनारिया , अध्यक्ष, बडी सादडी क्रय विक्रय सहकारी समिति, बडी सादडी तथा भेरु लाल शर्मा , सहायक अधिशाशी अधिकारी , चित्तौडगढ केंद्रीय सहकारी बैंक तथा 80 सहकारी समिति के प्रबंधक ने भाग लिया । राज्य विपणन प्रबंधक ने बताया की डी ए पी की उपलब्धता मे कमी रहेगी जिसका मुख्य कारण डी ए पी बनाने के लिये शत प्रतिशत कच्चा माल विदेशो से आयात करना पडता है और सिजन के समय कच्चा माल की कीमतों मे वृद्धि होने के कारण आयात 50 फिसदी हो पायेगा जिससे डी ए पी की उपलब्ध्ता 50 फसदी कम रहेगी। दानेदार डी ए पी के प्रयोग से खेत की जमीन कठोर हो रही है जिससे फसल की बढवार अच्छी नहि हो पाति है और उत्पादन मे कमी आती है, किसान भई दाने दार डी ए पी का उपयोग प्रति बीघा 10-12 किलो ही करे जिससे मिट्टी का कठोर होना रुक जायेगा और सुधार होना शुरू हो जायेगा तथा बीजों को नैनो डी ए पी 5 मी. ली. प्रति किलो बीज की मात्रा के अनुसार उपयोग लेने से 25-30 किलो डी ए पी प्रति बीघा उपयोग करने से भी बेहतर है । यह बात कृषि स्थान के रिसर्च मे साबित हो गई है तथा देश के बहुत से किसान इसका उप्योग कर रहे है। अध्यक्ष , चित्तौडगढ केंद्रिय सहकारी बैंक ने बताया कि किसान भईयो को समिति पर नैनो उर्वरक की पुर्ण जानकारी देकर ही किसान को उपलब्ध कराना चाहिये क्योंकि नई तकनीक से बनी खाद ही भविष्य की आवश्यकता को पूर्ण करने सक्षम है। देश मे जनसख्या की वृद्धि के साथ डी ए पी जैसे ऊर्वरक की कमी देश की खाद्य व्यवस्था के लिये खतरा है जिसका उपाय विश्व की सबसे बडी सहकारी संस्था इफको ने नैनो डि ए पी, नैनो युरिया एव अन्य नैनो उर्वरक उपलब्ध करा के कृषि में एक नई क्रांति का अध्याय है सभी लोगज्यदा से ज्यादा नैनो डी ए पी का उपयोग करना चाहिये जिससे खेत की मिट्टी , पर्यावरण , पानी , मानव जाति सभी सुरक्षित रहेगी । शम्भु लाल मेनारिया , अध्यक्ष, बडी सादडी क्रय विक्रय सहकारी समिति , बडी सादडी ने बताया कि नैनो उर्वरको के उपयोग मे ड्रोन द्वारा नैनो का छीड्काव किसान के स्वास्थ्य के नजर से , फसल पर पूर्ण रुप से नैनो एव कृषि रसायन का छिडकाव सम्भव है। ड्रोन नैनो ऊर्वरक के उप योग को बढाने मे भी सहायक है और जिसका प्रभाव पुरी सृष्टि के लिये लाभकारी है। किसान भाई ज्यादा से ज्यदा नैनो डीए पी एवं नैनो युरिया का उपयोग करे । कार्यक्रम का संचालन मुकेश कुमार आमेटा , क्षेत्र प्रबंधक , इफको , चित्तौडगढ ने किया।

प्रेमी से प्रताड़ित विवाहिता की जान को खतरा

♦भारत टाइम्स♦

भुवनेश व्यास (अधिमान्य स्वतंत्र पत्रकार) चित्तौड़गढ़। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में अपने प्रभावशाली प्रेमी की बर्बर मारपीट से त्रस्त एक महिला को पुलिस से न्याय नहीं मिला तो अब उसने अज्ञात तरीके से मीडिया को अपने साथ हुए बर्बर अत्याचारों को लेकर एक मारपीट का ऑडियो उपलब्ध करवाया है। पीड़ित महिला ने अपनी जान जाने के डर से शहर छोड़ दिया है। विश्वसनीय आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार पीड़ित महिला का पिछले कुछ वर्षों से शहर के एक प्रभावशाली राजनीतिक ताकतवर विवाहित पुरूष के साथ प्रेम संबंध थे जिनके बीच गत वर्ष विधानसभा चुनावों से पूर्व विवाद शुरू हो गया था। जानकारी के अनुसार उक्त प्रेमी महिला को दोनों के बीच तल्खी इतनी बढ़ गई थी कि महिला ने अपने प्रेमी का फोन रिसीव करना भी बंद कर दिया था। लोकसभा चुनावों के दौरान प्रेमी महिला को फिर से अपने पाले में कर दिया और चित्तौड़गढ़ से एक हजार किलोमीटर दूर लेकर गया जहां होटल में दोनों के बीच फिर से जबर्दस्त झगड़ा हुआ और इस दौरान प्रेमी ने महिला की लात, घूंसों और थप्पड़ों से बर्बर तरीके से आधे घंटे तक पिटाई की। महिला ने इस सारे घटनाक्रम को अपने मोबाईल में रिकार्ड कर लिया। सूत्रों ने बताया कि इसी रिकार्डिंग को लेकर महिला गत माह स्थानीय पुलिस के पास गई थी लेकिन उसकी सुनवाई नहीं की गई बाद में पीड़िता पुलिस उप महानिरीक्षक तक भी पहुंच गई जहां पर प्रेमी के साथी भी पहुंच गये और उसे समझा बुझाकर वापस ले आए लेकिन बाद में महिला को अपनी जान का खतरा महसूस होने पर वह यहां से गायब हो गई और अब मारपीट की रिकार्डिंग पत्रकारों को पहुंचाई गई है। हालांकि पुलिस भले ही पीड़िता के उन तक पहुंचने से इंकार कर रही हो लेकिन प्रताड़ना के यह सबूत महिलाओं पर हो रहे घरेलू अत्याचारों को अवश्य प्रमाणित कर रहे हैं। महिला के एक बच्चा भी है और पति भी पिछले दिनों शहर छोड़कर निकल गया है।

नायब तहसीलदार भाम्बू ने कार्यभार ग्रहण किया

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा/सोहनलाल वैष्णव। नोखा बीकानेर से स्थानांतरित होकर आए रामलाल भाम्बू ने बोरुंदा नायब तहसीलदार का पदभार बुधवार को गृहण किया। इस दौरान कई लोगों ने उनका माला व साफा से स्वागत भी किया। बोरुंदा उप तहसीलंदार कार्यालय में नायब तहसीलदार नितिन पुरोहित का तबादला हो गया। इनके के स्थान पर पांचू नोखा बीकानेर से स्थानांतरित होकर आए नायब तहसीलदार रामलाल भाम्बू ने बोरुंदा उप तहसीलदार का पद भार ग्रहण किया। इस दौरान उप तहसील कार्यालय में बुधवार को जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों ने माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत भाटी, युवा उद्यमी महेंद्र भाटी, सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मण भाटी, एडवोकेट ताराचंद टाक, कुलदीप सिंह, सुरेन्द्र वैष्णव, पुनाराम बोराणा व जियाराम माली सहित कई लोग मौजूद रहे।

चार धाम की यात्रा कर लौटने पर अभिनंदन

♦भारत टाइम्स♦

बोरुंदा/सोहनलाल वैष्णव। कस्बे से चार धाम की यात्रा कर लौटने पर कई धर्म प्रेमियों ने यात्रियों का साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया। देश के यमुनोत्री, गंगोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ सहित चार धाम व ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर करीब 12 दिवसीय धार्मिक यात्रा से लौटने पर यात्रियों का माला व साफा पहना कर अभिनंदन किया गया। यात्रा में पीपाड़ उप प्रधान प्रेमा गहलोत, शिक्षाविद अशोक कुमार गहलोत, समाजसेवी मोहनलाल गहलोत, आदित्य, हनुमान राम, जगदीश, पदमा देवी, सोहनी देवी, सीता देवी सहित करीब दर्जन पर तीर्थ यात्रियों का स्वागत किया गया। वही भजन कीर्तन और हवन भी किया गया। इस दौरान पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी प्रेमचंद सांखला, पंचायत प्रसार अधिकारी प्यारेलाल माली, डॉ संदीप कच्छावा, विष्णु गहलोत, श्यामसुंदर टाक, महेंद्र भाटी, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि भरत भाटी, रामनिवास कच्छावा, जगदीश गहलोत, नरपत गहलोत, ओमप्रकाश, देवेंद्र, नेहरू राम टाक, दुगाराम सुथार व हरिसिंह भाटी सहित कई लोग उपस्थित रहे।

आवश्यकता

भारत टाइम्स न्यूज को रिपोर्ट्स ओर अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। यदि आप हमसे जुड़ना चाहते है तो अपना बॉयोडाटा हमे ईमेल करे।

Bharattimesnews01@gmail.com

Whatsapp

9509745147
9799911545

राष्ट्रीय संस्था म्यूजिकल सफर इंडिया द्वारा म्यूजिक मेलोडी सीजन 9 का हुआ सफल आयोजन, मनाया सातवां स्थापना दिवस

वायनिलस्ट गुलजार हुसैन को मिला द मास्टर ऑफ मेलोडी स्ट्रिंग अवॉर्ड

शास्त्रीय संगीत की बनी एक यादगार शाम

♦भारत टाइम्स♦

जयपुर। जयपुर, जिसे अपनी सांस्कृतिक धरोहर और संगीत, कला के लिए जाना जाता है, एक बार फिर से नगर संगीतमय हो गया, मौका था राष्ट्रीय संस्था म्यूजिकल सफर इंडिया के बैनर तले संस्था के सात वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में गुलाबी नगरी में एक भव्य सांगीतिक कार्यक्रम का आयोजन। इस कार्यक्रम में शहर के प्रमुख संगीतकारों और गायकों ने भाग लिया और अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण

अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त मशहूर वायलिन वादक गुलजार हुसैन की प्रस्तुति रही। उनकी वायलिन की धुन का जादू इस कदर रहा कि मानो हर कोई संगीत की रूह को महसूस कर रहा हो। उनके साथ तबले की संगत मेहराज हुसैन ने दी। दोनों की जुगलबंदी से उपस्थित सभी दर्शक संगीत की अद्भुत और अनोखी दुनिया में खो गए। गुलजार हुसैन ने देश व विदेश में वायलिन की धुन से संगीत में अभूतपूर्व योगदान किया है और उनके संगीत में इस योगदान और समर्पण को देखते हुए संस्था की ओर से ह्रद मास्टर ऑफ मेलोडी स्ट्रिंगह्व के खिताब से नवाजा गया। संस्था की फाउंडर सपना पाठक और प्रोग्राम हेड विजेंद्र पाठक ने बताया कि आज की आधुनिकता में बढ़ते कराओके के चलन से कई कलाकार इन शास्त्रीय वाद्य यंत्रो से दूर होते जा रहे हैं। संस्था का उद्देश्य शास्त्रीय संगीत की धरोहर को संजोकर नयी पीढ़ी में शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देना और संगीत की विभिन्न रूपों और शैलियों को एक मंच पर लाने के लिए प्रयास करना है , जिसमे संस्था सफल रही। कार्यक्रम की शुरूआत गणेश वंदना और कत्थक नृत्य के साथ हुई, उसके बाद सपना पाठक और शम्स वसीम द्वारा प्रस्तुत गीत ह्यछाया है जो दिल पेह्ल वास्तव में दर्शको के दिलों पर छा गया। रमिता मित्तल द्वारा गाया वाइरल गीत आज की रात ने शमा बांध दिया संगीत प्रेमियों ने इस आयोजन को एक यादगार शाम करार दिया और भविष्य में ऐसे और कार्यक्रमों के आयोजन की उम्मीद जताई। कार्यक्रम में मुकेश गुप्ता, गुड़गांव से मोनिका भाटिया, मिलन जोशी, राकेश श्रीवास्तव, रवि माथुर, रमेश नजकानी, हेमंत गुप्ता, एम एल छावड़ा, अनिल भारद्वाज, तनुजा, मीनाक्षी सिंह, सुरेश जांगिड़, अश्विनी वाधवा, शरद माथुर, जितेंद्र जौहरी, वीता माथुर, जुगल किशोर, योगी राजौरा, शैलेन्द्र माथुर, संजय खत्री, पाली से दिलीप पंवर, राजेश प्रजापति, मनोज सक्सेना, कविता सक्सेना, धीरज कुमार, सुनील जालूथारिया आदि कलाकार सम्मिलित हुए। मंच संचालन सपना पाठक ने किया। प्रोग्राम हेड विजेंद्र पाठक, लॉजिस्टिक प्रबन्धक वसीम व कोडीनेंटर रमिता द्वारा सभी अतिथियों और कलाकारों का सम्मान किया गया ।

एक शाम आशापुरा माताजी के नाम

शाखा सभा वरिष्ठ उपाध्यक्ष का किया भव्य स्वागत। पहनाया 51 किलो का फूलों का हार

- मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। माता के भक्तों ने जमकर भजनों का आनंद लिया
- ऐसे आयोजन के माध्यम से ही हमारी संस्कृति , सामाजिक परम्परा, रीति–रिवाज और भक्ति ज्ञान को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित किया जाता है

♦भारत टाइम्स♦

चेन्नई । क्षत्रिय राजस्थान रावत राजपूत महासभा के तत्वावधान में शाखा सभा चेन्नई (दक्षिण भारत) द्वारा नवरात्रि के समापन के अवसर पर चैन्नई स्थित कुल देवी मां आशापुरा मंदिर मेंरएक शाम मां आशापुरा के नामरके आधार पर शाखा सभा अध्यक्ष हेम सिंह मालावत की अध्यक्षता में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें चैन्नई में निवासरत क्षत्रिय रावत राजपूत समाज के प्रबुद्ध जनों और साधु संतो द्वारा भजनों के माध्यम से ज्ञान की गंगा बहाई। मंदिर परिसर माता के जयकारों से गूंज उठा। माता के भक्तों ने जमकर भजनों का आनंद लिया। शाखा सभा अध्यक्ष ने उपस्थित समग्र समाज बंधुओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश में निवासरत समाज के प्रत्येक परिवार को जोड़ने एवं सामाजिक एकता को सुदृढ़ करने हेतु इस प्रकार के आयोजन अति आवश्यक है । ऐसे आयोजन के माध्यम से ही हमारी संस्कृति , सामाजिक परम्परा, रीति-रिवाज और भक्ति ज्ञान को पीढ़ी दर पीढ़ी प्रवाहित किया जाता है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री हजारी सिंह धामावत ने बताया कि मां आशापुरा मंदिर पर आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम में शाखा सभा पदाधिकारी ,महिला मोर्चा, नवयुवक मंडल के साथ साथ समाज का हर व्यक्ति अपनी खुन पसीने की कमाई मे से अंशदान देकर ऐसे आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं और इस कार्यक्रम के निमित्त माता रानी के झालर, शंख, घंटा

ध्वजा, पोशाक, श्रृंगार के तहत लगभग 11 लाख का सहयोग विभिन्न बोलियों के माध्यम से भक्तों ने सहयोग राशि मां के श्री चरणों में भेंट की। इस अवसर पर अभी हाल ही में राजस्थान रावत राजपूत महासभा द्वारा शाखा सभा उपाध्यक्ष हजारी सिंह धामावत को रावत राजपूत समाज के सर्वोच्च नागरिक सम्मान रावत रत्न से अलंकृत करने पर शाखा सभा द्वारा 51 किलो फूलो का हार और राजस्थानी केसरिया साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। शाखा सभा अध्यक्ष हेम सिंह ने बताया कि राजस्थान रावत राजपूत महासभा के संरक्षक एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष रावत रत्न ठाकुर नाथू सिंह चौहान ने दूरभाष और मैसेज के माध्यम से धन्यवाद देते हुए समग्र शाखा सभा पदाधिकारियों और समाज जनों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को प्रगाढ़ता प्रदान करने हेतु ऐसे आयोजन निरन्तर करने का अनुरोध करते हुए इस कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस विशाल भजन संध्या को रात दिन मेहनत कर सफल बनाने में शाखा सभा सचिव खेत सिंह देवावत खोडिया, कोषाध्यक्ष जालम सिंह डिगोर, महामंत्री कालु सिंह सारण, पूर्व अध्यक्ष धर्म सिंह पंवार, पूर्व उपाध्यक्ष पूनम सिह पातलावत, ओडिटर मदन सिंह पंवार बाघमाल, हेम सिंह मोहरा,अमर सिंह, कैलाश सिंह,मदन सिंह सारण,अशोक सिंह डिगोर, नरपत सिंह लवाचा सहित सैकड़ों समाज सेवीयों ने रात दिन मेहनत करके इस विशाल कार्यक्रम को सफल बनाया। इस शुभ अवसर पर महासभा की केन्द्रीय कार्यकारिणी, महिला मोर्चा, केन्द्रीय नवयुवक मंडल सहित उपमहासभा अहमदाबाद,शाखा सभा बंगलौर, हैदराबाद, मुम्बई, जयपुर,आबू रोड़, बड़ौदा,सुरत,दमण,राजकोट, गांधीधाम, पालनपुर, गांधीनगर, कोटा, अजमेर,रावत भाटा, भीलवाड़ा,पाली, जोधपुर, उदयपुर, राजसमंद, गुलाबपुरा, चितौड़गढ़,नई दिल्ली,महेसाणा सहित अखिल भारतीय स्तर से समाज जनों ने दूरभाष और संदेश के माध्यम से शुभकामनाएं प्रेषित की। शाखा सभा अध्यक्ष एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष द्वारा कार्यक्रम में पधारे सभी समाज जनों का आभार व्यक्त करते हुए अपना मूल्य योगदान के लिए साधुवाद प्रदान किया।

शुद्ध आहार में मिलावट पर वार अभियान के तहत देलवाड़ा और घोड़ाघाटी में हुई कार्यवाही

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद विद्याधर वैष्णव। जिले भर में शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत जिला कलक्टर बालमुकुन्द असावा एवं सीएमएचओ डॉ हेमन्त कुमार बिन्दल ने निदेशों पर बुधवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार यादव एवं टीम ने देलवाड़ा एवं घोड़ाघाटी क्षेत्र में कार्यवाही की गई खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार यादव ने बताया कि देलवाड़ा में स्थित श्री जोधपुर स्वीट्स से काजू कतली का नमुना लिया गया। घोड़ाघाटी स्थित धर्मराज स्वीट्स से बर्फी, झाला कैफे से मावा के पेड़े का गजानन किराना स्टोर से हल्दी, माजीसा जोधपूर स्वीट्स से बेसन चक्की का नमुना लिया गया। जांच दल द्वारा झाला कैफे का निरीक्षण करने पर देखा गया कि वहां सड़ी गली खाद्य सामग्री लगभग 10 किलो को मौके पर नष्ट करवाया गया तथा गजानन किराना से 5 लीटर तेल तथा 2 किलो मुंगबड़ी को अवधिपार होने पर नष्ट करवाया गया। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अशोक कुमार यादव तथा सहायक कर्मचारी महेन्द्र सिंह साथ थे।

श्री करणी माता विशाल पशु एवं दशहरा मेला में हुआ भारतीय विराट कवि सम्मेलन

कवियों ने श्रोताओं को भोर तक बाँध रखा, श्रोताओं द्वारा कवियों के काव्यपाठ को सराहा

- ओजस्वी कवि राम भदावर ने कहा बलिदानों में सबसे ऊपर दिखता है राजस्थान मुझे

♦भारत टाइम्स♦

देवगढ़ विद्याधर वैष्णव। नगर में चल रहे करणी माता विशाल पशु एवं दशहरा मेले में मंगलवार रात्रि को अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में कवियों ने श्रोताओं को भोर तक बाँधे रखा।कवि सम्मेलन के प्रारम्भ में नगर पालिका अध्यक्ष शोभालाल रेगर, अधिशाषी अधिकारी विजेश मंत्री, जिला संघ चालक नारायण लाल उपाध्याय, नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह व आगंतुक कवियों ने माँ सरस्वती व करणी माता के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का प्रारम्भ किया।प्रारम्भ में संचालन करते हुए भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश कँसारा ने कवियों का परिचय देते हुए सभी का सम्मान करवाया और कवि सम्मेलन की बागडोर संयोजक कवि भरत त्रिपाठी को सौंपी गई। सर्वप्रथम कवि सम्मेलन की शुरूआत रतलाम से आई हुई कवयित्री सुमित्रा सरल द्वारा सरस्वती वंदना से की गई।कांकरोली से आए नवोदित कवि गौरव पालीवाल ने हम तो चाकर हैं वा चार हाथ वारे के.... जैसे श्रीनाथ जी के छंद सुनाए, नाथद्वारा से आए हास्य कवि कानू पंडित ने अपनी चुटिली बातों से और हास्य की टिप्पणीयों से श्रोताओं को खूब गुदगुदाया साथ ही ज़िन्दगी में लाख ऊंची हो भले उड़ान तेरी परिवार के प्रति तूं फर्ज. मत भूलना खुद की जवानी तेरी जिंदगी को देदी प्यारे ऐसे बूढ़े पिताजी का कर्ज मत भूलना... जैसी गंभीर पंक्तियों से श्रोताओं को सोचने पर विवश कर दिया। राजसमंद से आए मेवाड़ के ओजस्वी कवि सतीश आचार्य ने सिंधु की सभ्यता से मिला ये प्रमाण था,ईसा से पूर्व भी यहां हिंदुस्थान था।जब लोग दुनियां में नंगे डोल रहे

थे, तोते यहां के वेदमंत्र बोल रहे थे.... सहित देशभक्ति से सरोबार कविताओं से श्रोताओं में जोश भरा उसके बाद शाजापुर मध्यप्रदेश से आए हास्य के धुरंधर कवि दिनेश देशी घी ने मंच पर आते ही हास्य का ऐसा माहौल बनाया कि श्रोता उछल पड़े, अपने विशिष्ट अंदाज से श्रोताओं को देर तक गुदगुदाया साथ ही मां महात्मा और परमात्मा इन तीनों की महिमा न्यारी हैं।पर इन तीनों में मां सबसे प्यारी हैं... पंक्तियां सुनाई।ओजस्वी धारा के सशक्त युवा हस्ताक्षर राम भदावर के मंच पर आते ही युवाओं ने जयकारों से स्वागत किया और भदावर ने भी उसी अंदाज में श्रोताओं में जोश भरते हुए अपनी कविता जिसकी भुजाओं में है बल वही विश्व का सरताज है... बलिदानों में सबसे ऊपर दिखता है राजस्थान मुझे.... सुनाई तो पांडाल से जय श्री राम के जय घोष से गुंजायमान हो उठा, इसके बाद रतलाम से कवयित्री सुमित्रा सरल ने अपने श्रृंगार गीत कभी जब डूब जाती हूँ तो नैया देख आती हूं मैं मानस में लिखा पावन सवैया देख आती हूं मेरे मंदिर न जाने का सबब सखियों से क्या बोलूँ मैं छत पर शाम को अपना कन्हैया देख आती हूं.... सुनाकर कवि सम्मेलन में प्रेम की सरिता बहाई इसके बाद देवगढ़ के युवा सूत्रधार कवि भरत त्रिपाठी ने काले कान्हा की तो सारी दुनिया दिवानी थी..... यह हमारा गाँव प्यारा देवगढ़ है सबसे न्यारा.... गीत सुनाकर श्रोताओं की खूब दाद पाई। कवि सम्मेलन का श्रेष्ठ संचालन कार रहे सिद्धार्थ देवल ने जैसे ही अपना ओजस्वी काव्यपाठ शुरू करते हुए कहा महामृत्युंजय है महेश का क्लेश नहीं हो सकता है।जिसका शेष विशेष रहा अवशेष नहीं हो सकता है।बुद्ध धरा पर युद्ध सना परिवेश नहीं हो सकता है। श्री राम का भारत बंग्लादेश नहीं हो सकता है.... तो पालिका अध्यक्ष सहित समूचे पांडाल ने खड़े होकर देर तक तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया। कवि सम्मेलन के सबसे अंत में द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चेलेंज के विजेता कवि सुरेश अलबेला ने अपने अलबेले अंदाज में जब शुरूआत की और चुटिले व्यंग्य बाण छोड़े तो श्रोताओं के पेट में बल पड़ गए, गंभीर बात कहते हुए उन्होंने जब कहा उसका कद हिमालय से भी बड़ा होता है जो देश की रक्षा के लिए सरहद पर खड़ा होता है.... तो श्रोताओं ने खूब सराहा।

श्री आईमाता मंदिर बड़वानी में श्री आई चालीसा पुस्तक का विमोचन हुआ

- मध्यप्रदेश सिर्वी महासभा के पूर्व प्रांताध्यक्ष मनोहरलाल मुकाती द्वारा पुस्तक का विमोचन किया गया

♦भारत टाइम्स♦

महेश्वर। आईपंथ की अधिष्ठात्री श्री आईमाता की जीवन लीलाओं, आध्यात्मिक संदेश, उपदेश एवं शिक्षाओं पर आधारित स्तुति के रूप में श्री आई चालीसा का विमोचन आज सम्पन्न हुआ। श्री आईचालीसा का मूल पाठ आईपंथ के दीवान माधवसिंहजी की अनुमोदना से लगभग एक वर्ष पूर्व जारी किया गया था। आज विमोचित इस पुस्तक में दीवान सा. द्वारा अनुमोदित आईचालीसा के मूल पाठ को इसके भावार्थ सहित प्रकाशित किया गया है। इस पुस्तक का प्रकाशन ह्लश्री हरिदासजी स्मारक ट्रस्ट- महेश्वरह्व द्वारा किया गया है। भावार्थ एवं व्याख्या का लेखन हीरालाल देवड़ा (सिवई) द्वारा किया गया है। ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में ट्रस्ट का बैंक अकाउंट नंबर एवं दफ कोड भी दिया गया है जिसके माध्यम से समाजजन अपनी श्रद्धा अनुसार मूल्य अथवा और अधिक सहयोग की राशि सीधे ट्रस्ट को प्रदाय कर सकते हैं। विमोचन करते हुए म.प्र. सिर्वी समाज के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष मनोहरलाल मुकाती ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा ह्लश्री आई चालीसाह्व का प्रकाशन एक सराहनीय एवं पुनीत कार्य है।

आईपंथ के धर्मगुरू दीवान का गाजे बाजे के साथ हुआ बधावणा

गेर नर्तक समूह ने बिखेरे लोक संस्कृति के रंग

♦भारत टाइम्स♦

बिलाड़ा। नगरपालिका क्षेत्र में स्थित बेरा कोटवालों का नवोड़ा पर आयोजित कार्यक्रम में धर्मगुरू दीवान माधवसिंह का गाजे बाजे के साथ बधावणा हुआ। गेर नृत्य ढोल की थाप और थाली की टंकार पर सधे हुए कदम। जैसे ही दोनों सुर एक साथ बजते है धम्म से जमीन पर पडती गेर नर्तकों की एक साथ छम्म करती आवाज इसी संगत देते हाथों में लिए रंग बिरंगी छतरिया मनमोहक अंदाज में गेर नृत्य की प्रस्तुति देकर माहौल भक्तिमय बन गया। महिलाएं सर पर कलश धारण कर मंगल गान करती चल रही थी। श्रद्धालु आईमाता के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा विभिन्न मार्गो से होते हुए नवोड़ा बेरे पर पहुंची। धर्म सभा को संबोधित करते हुए दीवान ने कहा कि धर्म के रास्ते पर चलने वाला व्यकि जीवन में कभी भी असफल नही होता है। उन्होने कहा कि भले ही केसी भी समस्या आ जाएं इंशान को जीवन में कभी भी धर्म का रास्ता नहीं छोडना चाहिए। सांसद पीपी चौधरी व विधायक अर्जुन लाल गर्ग ने कहा कि हमारे लिए व हमारे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है की एक बिलाड़ा जैसे कस्बे से निकले वक्ति सीआर चौधरी का नाम पूरे देश मै है। उन्होंने कहा कि सीआर चौधरी के हजारों विद्यार्थी है जो विभिन्न सरकारी जसेवाओं में सेवाएं दे रहे है। सीआर चौधरी एलन कोटा के प्रेसिडेंट व सीएओ है। इस दौरान सीआर चौधरी ने युवाओं को मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सबसे पहले निधारित करे और उसके बाद लक्ष्य की प्राप्ति के लिए ईमानदारी से कठिन महेनत करे तो सफलता जरूर मिलेगी।

3 रेलसेवाओं का विभिन्न स्टेशनों पर आंशिक परिवर्तन

- पूर्वी रेलवे पर 03 रेलसेवाओं का विभिन्न स्टेशनों पर आंषिक परिवर्तन किया जा रहा है।

♦भारत टाइम्स♦

अजमेर। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जन सम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार निम्न रेलसेवाओं का विभिन्न स्टेशनों पर आंषिक परिवर्तन किया जा रहा है:- 1. गाडी संख्या 12316, उदयपुर सिटी-कोलकाता एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 28.10.24 को उदयपुर सिटी से प्रस्थान करेगी वह आसनसोल स्टेशन पर निर्धारित समय 11.18 बजे आगमन व 11.28 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 11.08 बजे आगमन व 11.18 बजे प्रस्थान करेगी। 2. गाडी संख्या 12495, बीकानेर-कोलकाता एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 31.10.24 को बीकानेर से प्रस्थान करेगी वह आसनसोल स्टेशन पर निर्धारित समय 09.54 बजे आगमन व 09.59 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 09.49 बजे आगमन व 09.54 बजे प्रस्थान एवं दुगार्पुर स्टेशन पर निर्धारित समय 10.27 बजे आगमन व 10.29 बजे प्रस्थान के स्थान पर परिवर्तित समय 10.22 बजे आगमन व 10.24 बजे प्रस्थान करेगी। 3. गाडी संख्या 19608, मदार-कोलकाता एक्सप्रेस रेलसेवा जो दिनांक 28.10.24 को मदार से प्रस्थान करेगी ।

नवरात्रि महोत्सव पर प्रतिभाओं को सम्मानित

♦भारत टाइम्स♦

चेन्नई। नन्दमबाक्म गांव में हर वर्ष के भाती ईस वर्ष मां जगदम्बा कि असीम कृपा से नवरात्रि के उपलक्ष में सभी मारवाड़ी विष्णु समाज ने मिल जुल कर नवरात्रि महोत्सव पर दस दिन तक सतरम बुक किया और नवरात्रि 03 अक्टूबर 2024 को पहले दिन सुबह 11:15 बजे मां जगदम्बा कि तस्वीर अखण्ड दिपक क्लश पुजा बच्चों द्वारा आरती बोली गई और पहले दिन से दस दिन तक हर शाम को माताजी कि पुजा आरती उसके के बाद में बच्चों महिलाओं द्वारा पुरे जोश के साथ गुजराती व राजस्थानी गीतों पर गरबा डांडिया खेला गया और अखण्ड तपस्यों भक्तों का माला साल द्वारा स्वागत किया गया और नवरात्रि समाप्त के बाद विजयदशमी के दिन शाम को नन्हे मुन्ने बच्चों का खेल कार्यक्रम हुआ फिर बाद में बच्चों को इनाम दिया गया 10वीं 12वीं के 7 प्रतिशत से ज्यादा मार्क लाने वाले बच्चा बच्चियों को सम्मान का इनाम दिया गया। बाद में माताजी की आरती बोलकर भोजन प्रसाद शुरू किया गया इस पूरे कार्यक्रम में नन्दमबाक्कम मारवाड़ी विष्णु समाज ने अपने-अपने प्रतिष्ठान बंद करके परीवार सहित सभी मेंबर महिला मंडल, न्वयुवक मंडल,गैर मण्डल,आदी मोजुद रहें।

मगरा क्षेत्रीय विकास योजना की बैठक में 53 करोड़ 55 लाख लागत के कार्यों का अनुमोदन

♦भारत टाइम्स♦

राजसमंद विद्याधर वैष्णव। मगरा क्षेत्रीय विकास योजनान्तर्गत बैठक का आयोजन जिला कलेक्ट्रेट सभागार में हुआ जिसमें सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी तथा जिला प्रमुख रतनी देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि पहुंचे। बैठक में जिले में वित्तीय वर्ष 2024-25 की वार्षिक कार्य योजना का जिला स्तरीय क्षेत्रीय विकास समिति की बैठक में अनुमोदन किया गया। बैठक में जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा सहित अन्य समस्त विभागों के अधिकारी मौजूद रहे जिन्होंने विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी दी।जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए एजेण्डा बिन्दु वार योजना की प्रगति रिपोर्ट पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत की जिसमें वित्तीय वर्ष 2021-22, 2022-23 एवं 2023-24 के प्रगतिरत एवं अपूर्ण कार्यो पर समीक्षा की गई। जिला कलक्टर द्वारा अभी तक वित्तीय वर्ष 2021-22 में सर्वाधिक अपूर्ण कार्य शेष रहने पर विकास अधिकारी भीम एवं कुम्भलगढ़ को निर्देशित किया कि शेष कार्य एक माह में पूर्ण करें एवं यूसी, सीसी भिजवाई जाकर समायोजन कराने की कार्यवाही करें।वित्तीय वर्ष 2022-23 में पंचायत समिति खमनोर के कार्य अधिक लम्बित होने पर समीक्षा के दौरान विकास अधिकारी पंचायत समिति खमनोर के अनुपस्थित रहने पर जिला कलक्टर द्वारा विकास अधिकारी खमनोर को नोटिस देने के निर्देश दिये गये।

तत्पश्चात वित्तीय वर्ष 2024-25 का अनुमोदन प्लान प्रस्तुत किया गया।

राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने बताया कि राजसमन्द विधानसभा क्षेत्र की कुछ ग्राम पंचायतों के प्रस्ताव रह गये है उन्हें भी जोडें, इस पर एसीईओ द्वारा इन पंचायतों के प्रस्ताव जोड़ने हेतु आश्वस्त किया गया। जिला स्तरीय समिति द्वारा विचार-विमर्श कर वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्षिक कार्य योजना में कुल 964 कार्यो एवं राशि 53 करोड़ 55 लाख 50 हजार का अनुमोदन किया गया।

डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने रामायण रची

वाल्मीकि जयंती हर साल आश्विन महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनायी जाती है। उनकी जन्मतिथि आज भी विवादों में ही है, क्योकि उनके जन्म के बारें मे कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है जिससे उनकी सही जन्म तिथि के बारे मे कुछ भी कहा जा सके। लेकिन रामायण के समयकाल को शामिल करते हुए यह कहा जाता है

महापुरुषों की कीर्ति किसी एक युग तक सीमित नहीं रहती। उनका लोकहितकारी चिन्तन, कर्म एवं उपलब्धि कालजयी होती है और युगों-युगों तक समाज का मार्गदर्शन करती है। महर्षि वाल्मीकि हमारे ऐसे ही एक प्रकाश-स्तंभ हैं, जिनकी जयंती का सनातन धर्म में बहुत ही खास महत्व है। डाकू से ऋषि बने वाल्मीकि ने हिन्दू धर्म के महान रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की थी। ऋषि वाल्मीकि सबसे महान संस्कृत कवियों में से एक थे। उन्हें आदिकवि के नाम से भी जाना जाता है। ऋषि वाल्मीकि ने जिस रामायण की रचना की वो वाल्मीकि रामायण के नाम से जानी जाती है। ऐसा माना जाता है कि अपने वनवास के समय भगवान श्रीराम वाल्मीकि के आश्रम भी गए थे। वाल्मीकिजी को भगवान श्रीराम के जीवन में घटित घटनाओं की जानकारी थी। कहा जाता है कि ऋषि वाल्मीकि को तीनों कालों सतयुग, त्रेता और द्वापर का ज्ञान था। महाभारत काल में भी वाल्मीकिजी का उल्लेख मिलता है।

वाल्मीकि जयंती हर साल आश्विन महीने की शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि के दिन मनायी जाती है। उनकी जन्मतिथि आज भी विवादों में ही है, क्योकि उनके जन्म के बारें मे कोई पुख्ता सबूत नहीं मिला है जिससे उनकी सही जन्म तिथि के बारे मे कुछ भी कहा जा सके। लेकिन रामायण के समयकाल को शामिल करते हुए यह कहा जाता है, कि वह पहली शताब्दी से लेकर पांचवीं शताब्दी के बीच के रहे होगें। वे एक संत थे और वो एक साधारण जीवन और उच्च विचार रखने वाले व्यक्ति थे। वे बहुत ज्ञानी होने के साथ-साथ एक महान व्यक्तित्व थे। हिंन्दू पौराणिक कथाओं अनुसार, वाल्मिकी ऋषि ही वह अलौकिक एवं दिव्य व्यक्ति थे, जिन्होंने देवी सीता को

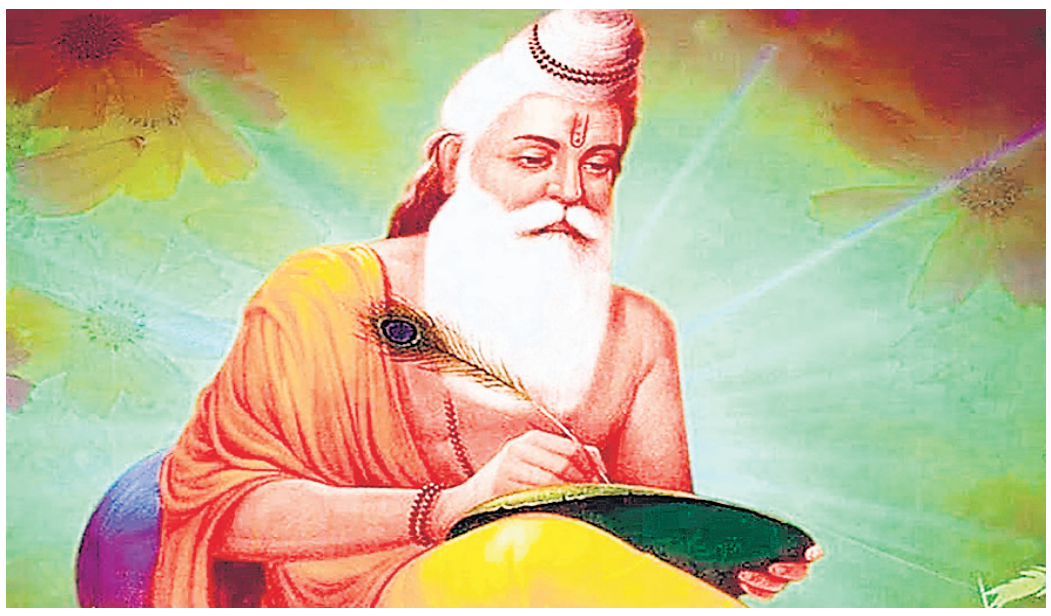

तब आश्रय दिया था, जब वो अयोध्या राज्य छोड़कर वन में चली गई थीं। यही नहीं मां ने उन्हीं के आश्रम में लव कुश को जन्म दिया था। महर्षि वाल्मीकि के आश्रम में ही लव कुश ने भगवान श्रीराम का अश्वमेध यज्ञ बांध लिया था। जिसकी वजह से श्रीराम को वाल्मीकि आश्रम में आना पड़ा था। यहीं पर पहली बार लव कुश अपने पिता श्रीराम से मिले थे। बाद में महर्षि वाल्मीकि ने श्रीराम को लव कुश से परिचय करवाया। देवी सीता के पृथ्वी माता की गोद में समा जाने पर वाल्मीकि ने लव कुश को भगवान श्रीराम को सौंप दिया।

मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि का जन्म एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। किंतु डाकुओं के संसर्ग में रहने के कारण ये लूटपाट और हत्याएं करने लगे और यही इनकी आजीविका का साधन हो गया। इन्हें जो भी मार्ग में मिलता वह उनकी संपत्ति लूट लिया करते थे। एक दिन इनकी मुलाकात देवर्षि नारद से हुई। इन्होंने नारदजी को लुटते हुए कहा कि तुम्हारे पास जो कुछ है उसे निकाल कर रख दो, नहीं तो तुम्हें जीवन से हाथ धोना पड़ेगा। देवर्षि नारद ने कहा, मेरे पास इस वीणा और वस्त्र के अलावा कुछ और नहीं है? तुम लेना चाहो तो इसे ले सकते हो, लेकिन तुम यह क्रूर कर्म करके भयंकर पाप क्यों करते हो?ह्न देवर्षि की कोमल वाणि सुनकर वाल्मीकि का कठोर हदय कुछ द्रवित हुआ। इन्होंने कहा, ह्यमेरी आजीविका का यही साधन है और इससे ही मैं अपने परिवार का भरण पोषण करता हूं।ह्न देवर्षि बोले, तुम अपने परिवार वालों से जाकर पूछो कि वे तुम्हारे इन पाप कर्मों में भी हिस्सा बंटाएंगे या नहीं? वाल्मीकि ने परिजनों से उक्त प्रश्न पूछा तो सभी ने कहा कि यह तुम्हारा कर्तव्य है कि हमारा भरण पोषण करो परन्तु हम तुम्हारे पाप कर्मों में क्यों भागीदार बनें? परिजनों की बात सुनकर वाल्मीकि को आघात लगा। उनके ज्ञान नेत्र खुल गये। उनके जीवन की दिशा बदल गयी। इस घटना से रत्नाकर बहुत दुखी हुआ और गलत मार्ग का त्याग करते हुए श्रीराम की भक्ति में डूब गया।

महर्षि बाल्मीकि परिजनों की बात सुनने के बाद जंगल में पहुंचे और वहां जाकर देवर्षि नारद को बंधनों से मुक्त किया तथा विलाप करते हुए उनके चरणों में गिर पड़े और अपने पापों का प्रायश्चित करने का उपाय पूछा। नारदजी ने उन्हें धैर्य बंधाते हुए श्रीराम नाम के जप की सलाह दी। लेकिन चूंकि वाल्मीकि ने भयंकर अपराध किये थे इसलिए वह राम राम का उच्चारण करने में असमर्थ रहे तब नारदजी ने उन्हें मरा मरा उच्चारण करने को कहा। बार बार मरा मरा कहने से राम राम का उच्चारण स्वतः ही होने लगा। इस राम नाम के जप ने रत्नाकर डाकू का जीवन ही नहीं बदला बल्कि उनके भीतर अनेक अलौकिक, दिव्य एवं विलक्षण शक्तियों का प्रस्फुटन भी कर दिया था। उनके इस जप एवं तप से ब्रह्मदेव प्रसन्न हुए और उन्होंने वाल्मीकिजी को श्रीराम का चरित्र लिखने का आदेश दिया। उसके बाद वाल्मीकिजी ने रामायण की रचना की।

महर्षि वाल्मीकि का पालन जंगल में रहने वाली भील जाति में हुआ था, जिस कारण उन्होंने भीलों की परंपरा को अपनाया। स्कंद पुराण के नागर खंड में महर्षि वाल्मीकि को ब्राह्मण बताया गया है। पुराण के मुताबिक ब्राह्मण परिवार में जन्में वाल्मीकि के बचपन का नाम ह्यलोहजंघाह्न था और वह अपने माता-पिता के प्रति बहुत समर्पित थे। गोस्वामी तुलसीदास को रामायण के रचयिता वाल्मीकि का अवतार माना जाता है। वाल्मीकि को भगवान श्रीराम के जीवन की हर घटना का ज्ञान था, ऐसा प्रतीत होता है अपनी दिव्य साधना एवं सिद्धि से श्रीराम के सम्पूर्ण जीवन का साक्षात्कार किया हो। वे रामायण के रचयिता ही नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के भाष्यकार भी है। तभी उन्होंने श्रीराम के जीवन एवं चरित्र को बहुत बारीकी से प्रस्तुति दी है।

ऋषि वाल्मीकिजी कहते है कि भगवान श्रीराम का चेहरा चंद्रमा की तरह चमकदार और सुंदर है। उनकी आंखों की तुलना कमल से की गई। आंखों के कोणों के ताम्र रंग को ताम्राक्ष और लोहिताश के रूप में व्यक्त किया है। ऋषि वाल्मीकि के अनुसार भगवान श्रीराम के बाल लंबे और घने थे। उनके अनुसार, भगवान श्रीराम की नाक उनके चेहरे की तरह लंबी और सुडौल थी। उन्होंने श्रीराम को महानासिका वाला बताया है। महानासिका से तात्पर्य उन्नत और दीर्घ नासिका से है। वहीं प्रभु श्रीराम के कानों के लिए उन्होंने टीकारों ने चतुर्दशसमद्वन्द और दशवृहत जैसे शब्दों का प्रयोग किया है। जिसका अर्थ है कानों का सम और बड़ा होना। वाल्मीकि ने उनके कानों के लिए शुभ कुंडलों का प्रयोग भी किया है। महर्षि वाल्मीकि के अनुसार, प्रभु के हाथ के अंगूठे में चारों वेदों की प्राप्ति सूचक रेखा थी, जिसके चलते उन्हें चतुष्फलक कहा गया है। श्रीराम के चरण सम और कमल के समान बताए गए हैं।

मान्यता के अनुसार एक बार वाल्मीकिजी गहन तपस्या में बैठे थे। लंबे समय तक चले इस तप में वे इतने मग्न थे कि उनके पूरे शरीर पर दीमक लग गई। लेकिन उन्होंने बिना तपस्या भंग किए निरंतर अपनी साधना पूरी की। इसके बाद ही आंखें खोली। फिर दीमकों को हटाया। कहा जाता है कि दीमक जिस जगह अपना घर बना लेते हैं, उसे वाल्मीकि कहते हैं, इसलिए इन्हें वाल्मीकि के नाम से जाना जाने लगा। एक और घटना एवं मान्यता के अनुसार एक बार महर्षि वाल्मीकि ने एक बार पत्थर पर लिखी रामायण को देखा तो हैरान रह गए और सोचने लगे कि इतनी अच्छी रामायण किसने लिखी। इतने में हनुमानजी वहां प्रकट हो गए और बताया कि यह उनकी लिखी रामायण है। वाल्मीकि इससे दुखी हुए और बताया कि आपकी लिखी रामायण को पढ़ने के बाद मेरी रामायण कौन पढ़ेगा? हनुमानजी ने वाल्मीकि के मनोभाव को जान कर पत्थरों पर लिखी अपनी रामायण को उठाकर समुद्र में फेंक दिया। हनुमानजी ने वाल्मीकि से कहा कि आपकी रामायण ही अबसे दुनिया पढ़ेगी और प्रसिद्ध होगी। निश्चित ही रामायण की कालजयी लोकप्रियता एवं जन-आस्था ने उसे सनातन साहित्य और सर्वप्रिय धर्मग्रंथ का गौरव प्रदान किया है।

कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट की जांच क्यों नहीं?

संपादकीय

सुप्रीम कोर्ट ने कोरोना वैक्सीन के साइड इफेक्ट को लेकर सोमवार को सुनवाई के बाद एक जनहित याचिका को खारिज कर दिया है। इस जनहित याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा कोरोना वैक्सीन के बाद जिस तरह से साइड इफेक्ट देखने को मिल रहे हैं। उसकी जांच कराने के लिए यह याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीबाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने इस याचिका को निरस्त करते हुए कहा, कि यह सनसनी फैलाने के लिए याचिका लाई गई है। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने कहा वैश्विक स्तर पर फैली महामारी पर संकट पाने के लिए वैक्सीन तैयार की गई थी। इस महामारी ने मानवता को हिलाकर रख दिया था। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका पर सुनवाई किए बिना ही जिस तरीके से याचिका को खारिज किया है। उसने करोड़ों लोगों को निराश किया है। जो लोग वैक्सीन लगने के बाद से नई-नई विभिन्न बीमारियों से पीड़ित हैं। उन्हें याचिका निरस्त होने से तगड़ा झटका लगा है। याचिका करता के वकील ने सुप्रीम कोर्ट में वैक्सीन लगने के बाद रक्त के थक्के जमने,शुगर बढ़ने और कई तरह के साइड इफेक्ट होने की बात याचिका में कही थी। जब कोरोना की महामारी फैली थी। तब कोरोना की वैक्सीन बनाना और उसे सुरक्षा की दृष्टि से लगवाना उस समय के हिसाब से सरकार का कदम सही था। लेकिन वैक्सीन लगने के बाद यदि कोई दुष्प्रभाव लोगों में देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में साइड इफेक्ट की जांच करना और उपयुक्त इलाज खोजना सरकार और स्वास्थ्य विभाग की ही जिम्मेदारी है। वैक्सीन

लगने और नहीं लगने को लेकर यह याचिका नहीं थी। इस याचिका को इसलिए लगाया गया था। कोरोना महामारी से बचने के लिए जो वैक्सीन लगाई गई थी। मानव जीवन पर उसका किस तरह का प्रभाव हुआ है। इसके अलावा कोरोना महामारी के लक्षण होने पर जिन लोगों का इलाज अस्पतालों में हुआ था। मरीज के इलाज में जिस तरह की दवाइयों का प्रयोग किया गया था। मरीजों में उसके क्या असर हुए हैं। यदि कोई साइड इफेक्ट हैं,तो इसकी जांच होना जरूरी है। ब्रिटेन जैसे देश में कोरोना वैक्सीन और कोरोना महामारी के उपचार को लेकर कई तरह की जांच की गई है। वैक्सीन के साइड इफेक्ट को जानकर साइड इफेक्ट दूर करने के लिए मरीज को किस तरह की दवाई दी जाएं। जिससे मरीजों का जीवन सुरक्षित हो। ब्रिटेन की सरकार और ब्रिटेन की न्यायपालिका इसके लिए सजग है। नागरिकों के स्वास्थ्य की जवाबदारी सरकार और स्वास्थ्य विभाग की है। महामारी आती हैं, चिकित्सकों द्वारा हर संभव इलाज भी किए जाता है, महामारी के टीके भी समय-समय पर विकसित कर सुरक्षा की दृष्टि से सभी को लगाए जाते हैं। वैक्सीन की गुणवत्ता और उसके प्रभाव को कई स्तर पर जाँचने की व्यवस्था होती है। वैक्सीन का मानव जीवन में क्या प्रभाव पड़ा है। यदि कोई विपरीत प्रभाव है, उस दुष्प्रभाव को कैसे दूर किया जा सकता है। इसकी जांच हर हालत में होनी ही चाहिए। ब्रिटिश कंपनी एक्स्ट्रा जेनिका ब्रिटेन की हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई में शामिल है। ब्रिटेन के स्वास्थ्य विभाग और ब्रिटेन की अदालतों में साइड इफेक्ट को लेंकर जो बातें निकलकर सामने आईं हैं। उसके लिए कंपनी और सरकार क्या कर सकती है। इसका निर्णय वहां की न्यायपालिका कर रही है। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के खोजकताओं ने भी इस मामले में रिसर्च शुरू की थी लेकिन उसे रोक दिया गया। जिस महामारी का असर करोड़ों लोगों पर हुआ है। इस वायरस का कोई इलाज उसे समय चिकित्सा जगत के पास नहीं था। बीमारी सामने आने के बाद इलाज अपने-अपने तरीके से किए गए थे। जब कोरोना वैक्सीन आई, तो आशा की एक किरण जागी। लोगों ने वैक्सीन भी लगवाई। वैक्सीन लगने के बाद यदि कोई साइड इफेक्ट लोगों में देखने को मिल रहे हैं। तो साइड इफेक्ट के इलाज से ना तो सरकार को बचाना चाहिए। नाही न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी से बचना चाहिए। इस मामले में ब्रिटेन की न्यायपालिका ज्यादा सजगता के साथ काम कर रही है। भारत में वैक्सीन लगने के बाद जिस तरह की मौत युवाओं की हो रही है। नाचते, गाते,चलते हुए, खेलते हुए जिस तरह से युवाओं की मौत हो रही है। वैक्सीन लगने के बाद शुगर के मरीज बढे हैं। जिस तरह की बीमारियां मरीजों को झेलनी पड़ रही हैं। याचिका की विस्तृत सुनवाई के बाद जांच के आदेश सुप्रीम कोर्ट को देने चाहिए थे। इस याचिका में टीका लगने के बाद,साइड इफेक्ट के लिए यदि कोई मुआवजे की मांग की गई होती। तो सुप्रीम कोर्ट उसे स्वीकार नहीं करती। स्थिति जन्य सरकार ने जो निर्णय लिया था, वह सही था। महामारी के बाद जिस तरह के साइड इफेक्ट लोगों में देखने को मिल रहे हैं। उसके लिए रिसर्च और इलाज के लिए भविष्य में किस तरह की कार्रवाई भविष्य में की जा सकती है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट को जरूर निर्णय करना चाहिए था। इस याचिका के निरस्त होने से लोगों में निराशा उत्पन्न हुई है। नागरिकों के स्वास्थ्य की देखभाल करना सरकार का कर्तव्य है। सरकार इस दायित्व से बच रही है। ऐसी स्थिति में नागरिकों के पास न्यायपालिका ही एक सहारा होता है। यदि न्यायपालिका भी सरकार की तरह सोचेगी, तो यह नागरिकों का दुर्भाग्य है। यही कहा जा सकता है।

सोलह कलाओं से पूर्ण चंद्रमा बरसाता है अमृत!

आश्विन माह के पूर्णिमा तिथि की शुरूआत 16 अक्टूबर को रात्रि 08 बजकर 40 मिनट पर होगी। जिसका समापन अगले दिन 17 अक्टूबर को शाम को 04 बजकर 55 मिनट पर होगा।इस दिन चंद्रमा सोलह कलाओं से पूर्ण होकर रातभर अपनी किरणों से अमृत वर्षा करता है। देश के कई राज्यों में इसे फसल उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन खीर बनाने की प्रथा है। खीर को रातभर चंद्रमा की चांदनी में रखा जाता है।मान्यता है कि इस दिन रातभर खीर को चंद्रमा की चांदनी में रखने से खीर अमृत के समान हो जाती है और इस खीर का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए काफी फायदेमंद होता है।शरद पूर्णिमा को शाम 7:18 बजे से रेवती नक्षत्र का प्रारंभ है। रेवती नक्षत्र को शुभ माना गया है। शरद पूर्णिमा की खीर शाम को 7:18 बजे के बाद चांदनी में रख सकते हैं। शरद पूर्णिमा की रात जब चंद्रमा पूर्ण रूप से दिखाई देने लगे और उसकी किरणें आप तक पहुंचने लगें,तब खीर बनाकर उसे खुले में रखने से फायदेमंद होता है।इस साल की शरद पूर्णिमा 2024 पर 3 शुभ संयोग बन रहे हैं। इससे इसका महत्व बढ़ गया है। इस पूर्णिमा को रास पूर्णिमा, कमला पूर्णिमा

नाम से भी जाना जाता है। इस दिन शरद पूर्णिमा व्रत और लक्ष्मीजी की पूजा करने वालों के लिए चंद्रमा की पूजा अनिवार्य है। शरद पूर्णिमा के निर्धारण के लिए इसका निशीथ व्यापिनी होना जरूरी है। इस दिन चंद्रोदय शाम 5.02 बजे होगा। इस दिन रेवती नक्षत्र, रवि और ध्रुव योग का विशेष संयोग भी बन रहा है। पहली मान्यता यह है कि इस दिन भगवान कृष्ण ने गोपियों के साथ महा रास का आयोजन किया था, जिसके कारण इसे रास पूर्णिमा कहा जाता है।दूसरी मान्यता यह है शरद पूर्णिमा के दिन माता लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करने के लिए आती है। शरद पूर्णिमा के दिन खुले आसमान के नीचे चांद की रौशनी में खीर रखने का विधान है।शरद पूर्णिमा के रात चंद्रमा की रौशनी बहुत ही महतवपूर्ण माना जाती है।इस दिन चंद्रमा सोलह कला से सुसज्जित होते है ज्योतिषशास्त्र के अनुसार चंद्रमा को मन का कारक माना गया है चंद्रमा का प्रकाश हमारे शारीर को शीतलता प्रदान करते करते है साथ ही शरीर में उर्जा भरपूर प्रदान करते है ।शरद पूर्णिमा की रात की किरण अमृत समान है इसलिए शरद पूर्णिमा की रात में चावल की खीर बनाकर बर्तन में रखकर रात्रि में खुले आसमान के निचे रखकर जालीदार कपडे से ढककर रखे अगले दिन ब्रह्म मुहूर्त में भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में पूरे परिवार को खिलाए इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाता है।

आस्था...

20 अक्टूबर से पलट सकती है इन राशियों की किस्मत...

वैदिक ज्योतिष शास्त्र मुताबिक ग्रह गोचर करके कई शुभ और अशुभ योग का निर्माण करते हैं। जिसका प्रभाव मानव जीवन और पृथ्वी पर सीधेतौर पर पड़ता है। आपको बता दें कि 20 अक्टूबर को गुरु और चंद्रमा की युति से गजकेसरी राजयोग का निर्माण होने जा रहा है। इस राजयोग का निर्माण वृष राशि में होगा। जिस पर धन के दाता शुक्र ग्रह का आधिपत्य है। ऐसे इस राजयोग के प्रभाव से 3 राशि के जातकों को आकस्मिक धनलाभ और तरक्की के योग बन रहे हैं। आइए जानते हैं ये लकी कौन सी हैं धनतेरस से पहले बनने जा रहा महालक्ष्मी राजयोग, इन राशियों को आकस्मिक धनलाभ और भाग्योदय के प्रबल योग वृष राशि आप लोगों के लिए गजकेसरी राजयोग लाभप्रद सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह राजयोग आपकी राशि से लग्न भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा। साथ ही व्यापारियों को भी अच्छा मुनाफा हो सकता है। आपके अपने जीवनसाथी के साथ रिश्ते अनुकूल बने रहेंगे। आपकी सेहत इस अवधि में काफी अच्छी रहेगी। वहीं इस समय शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन शानदार रहेगा। साथ ही घर परिवार में भी खुशियां आएंगी। नौकरीपेशा लोगों के लिए गजकेसरी राजयोग बहुत ही सौभाग्यशाली रहेगा। वहीं आपके निजी जीवन में भी रिश्ते काफी मजबूत बनेंगे। धन के दाता शुक्र करेंगे धनु राशि में प्रवेश, इन राशियों का चमक सकता है भाग्य, करियर में तरक्की के साथ अपार धनलाभ के योग कर्क राशि गजकेसरी राजयोग का बनना कुंभ राशि के जातकों को शुभ फलदायी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि यह राजयोग आपकी राशि से इनकम और लाभ स्थान पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान आपकी आय में जबरदस्त इजाफा हो सकता है। साथ ही इस समय आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी। आप इस दौरान कहीं अच्छी जगह निवेश कर सकते हैं। वहीं इस दौरान आपकी आय. के नए- नए स्त्रोत बन सकते हैं। वहीं आपके अंदर एक अलग ही आत्मविश्वास देखने को मिलेगा। नौकरीपेशा जातकों को नौकरी में तरक्की मिलने की प्रबल संभावनाएं हैं। साथ ही इस दौरान आप धन की सेविंग करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपको शेयर बाजार, सट्टा और लॉटरी में लाभ हो सकता है। 500 साल बाद दिवाली पर गुरु और शनि चलेंगे उल्टी चाल, इन राशियों की पलट सकती है किस्मत, करियर और कारोबार में तरक्की के योग कुंभ राशि आप लोगों के लिए गजकेसरी राजयोग लाभप्रद सिद्ध हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ ।

मेष: आपको अपना अतिरिक्त समय अपने शौक पूरे करने या उन कामों को करने में लगाना चाहिए, जिन्हें करने में आपको सबसे ज्यादा मजा आता है। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा। बच्चे उम्मीदों पर खरे न उतरकर आपको निराश कर सकते हैं। सपनों को साकार करने के लिए उन्हें प्रोत्साहन देने की जरूरत है। नये रोमांस की संभावना प्रबल है, प्रेम का फूल आपकी जिन्दगी में जल्दी ही खिल सकता है। अपनी पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाकर आप करिअर में नए दरवाजे खोल सकते हैं।

वृषभ : उ, ई, ऐ, ओ, बा, बी, बे, बो ।

वृषभ: अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फँसे इंसान की मदद करने के लिए करें। याद रखें झ्र यह शरीर तो एक-न-एक दिन मिट्टी में मिलने वाला है, अगर यह किसी के काम न आ सके तो इसका क्या फायदा? कोई बेहतरीन नया विचार आपको आर्थिक तौर पर फायदा दिलायेगा। जिसपर आप यक ीन करते हैं, मुमकिन है वह आपको पूरा सच न बता रहा हो। आपकी दूसरों को राजी करने की क्षमता आने वाली मुश्किल को हल करने में कारगर साबित होगी। आपको अपने प्रिय के साथ समय बिताने की जरूरत है।

मिथुन: क, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा ।

मिथुन: चूँकि यात्रा के लिहाज से आप अभी कुछ कमजोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। जिन लोगों ने किसी रिश्तेदार से पैसा उधार लिया था उनको आज वो उधार किसी भी हालत में वापस करना पड़ सकता है। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। अचानक हुई रोमांटिक मुलाकात आपके लिए उलझन पैदा कर सकती है। अपने चारों ओर होने वाली गतिविधियों का ध्यान रखें, क्योंकि आपके काम का श्रेय कोई दूसरा ले सकता है। अचानक आज आप काम से छुट्टी लेने का प्लान बना सकते हैं और अपने परिवार के साथ वक्त बिता सकते हैं।

कर्क : ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो ।

कर्क: मानसिक शान्ति के लिए किसी दान-पुण्य के काम में सहभागिता करें। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। दोस्त और करीबी लोग मदद के लिए आपकी ओर हाथ बढ़ाएंगे। अपने प्रिय की गैर-जरूरी भावनात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी आज आप अपने लिए समय निकालपाने में सक्षम होंगे। खाली वक्त में आज कुछ रचनात्मक कर सकते हैं। अपने जीवनसाथी की वजह से आपको मानसिक अशान्ति का सामना करना पड़ सकता है।

सिहं: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे ।

सिंह: अपने ऊँचे आत्मविश्वास का आज सही इस्तेमाल करें। भागदौड़ भरे दिन के बावजूद आप फिर ऊर्जा और ताजगी पाने में कामयाब रहेंगे। इस राशि के जो लोग विदेशों से व्यापार करते हैं उन्हें आज अच्छा खासा धन लाभ हो सकता है। जरूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। आज प्यार के मामले में सामाजिक बंधन तोड़ने से बचें। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज कार्यक्षेत्र में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आप न चाहते हुए भी कोई गलती कर बैठेंगे जिसकी वजह से आपको अपने सीनियर्स की डांट सहनी पड़ सकती है।

कन्या: टो, पा, पी,पू, ष, ण, ठ, पे, पो।

कन्या: दूसरों के सफलता को सराहकर आप उसका लुत्फ ले सकते हैं। अगर आपका धन से जुड़ा कोई मामला कोर्ट-कचहरी में अटका था तो आज उसमें आपको विजय मिल सकती है और आपको धन लाभ हो सकता है। आज का दिन मजे करने के लिहाज से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीजों और काम का लुत्फ उठाएँ। दोस्ती में प्रगाढ़ता के चलते रोमांस का फूल खिल सकता है। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दिन की शुरूआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे।

तुला: रा, री, रू, रे, ता, ती, तू, ते ।

तुला: अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। निवेश करना कई बार आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होता है आज आपको यह बात समझ में आ सकती है क्योंकि किसी पुराने निवेश से आज आपको मुनाफा हो सकता है। घर को सजाने-संवारने के अलावा बच्चों की जरूरतों पर भी ध्यान दें। बच्चों के बिना घर आत्मा के बिना शरीर की तरह है, फिर चाहे वह कितना भी खूबसूरत क्यों न हो। बच्चे घर में उत्साह और खुशीयों की सौगात लाते हैं। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू ।

वृश्चिक: घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। जिन लोगों ने किसी से उधार लिया है उन्हें आज किसी भी हालत में उधार चुकाना पड़ सकता है जिससे आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर हो जाएगी। बच्चे आपको अपनी उपलब्धियों से गर्व का अनुभव कराएंगे। प्यार के नजरिए से यह दिन बेहद खास रहेगा। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको गलत साबित करने की पुरजोर कोशिश करेगा। यदि आपको व्यस्त दिनचर्या के बाद भी अपने लिए समय मिल पा रहा है तो आपको इस समय का सदुपयोग करना सीखना चाहिए। ऐसा करके अपने भविष्य को आप सुधार सकते हैं।

धनु : ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे ।

धनु: अपने आहार पर नियंत्रण रखें और चुस्त-दुरुस्त रहने के लिए नियमित व्यायाम करें। कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। नाती-पोतों से आज काफी खुशी मिल सकती है। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी ।

मकर: आप आज खुद को रोजाना की अपेक्षा कम ऊजार्वान महसूस करेंगे। स्वयं को जरूरत से ज्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें और आज के कामों को कल तक के लिए टाल दें। आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ खींचेंगे- आपके सामने चुनने के लिए कई चीजें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। प्रेम निःसीम होता है।

कुंभ: गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा ।

कुंभ: आप खुद को ऊर्जा से सराबोर महसूस करेंगे- लेकिन काम का बोझ आपमें खीज पैदा करेगा। आज आपकी कोई चल संपत्ति चोरी हो सकती है इसलिए जितना हो सके इनका ध्यान रखें। रिश्तेदारों के साथ अपने संबंधों को फिर तरोताजा करने का दिन है। गलतफहमी या कोई गलत संदेश आपका गर्मजोशी भरा दिन ठण्डा कर सकता है। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

मीन: दी, दू, थ, झ, दे, दो, चा, ची ।

मीन: सेहत बढ़िया रहेगी। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। अपने परिवार के सदस्यों की जरूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। अपने प्रिय की नाराजगी के बावजूद अपना प्यार जाहिर करते रहें। साझीदारी और व्यापार में हिस्सेदारी वगैरह से दूर रहें। यात्रा के मौकों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। किसी पड़ोसी, दोस्त या रिश्तेदार की वजह से वैवाहिक जीवन में अनबन मुमकिन है।

एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग से दें कॅरियर को नई उड़ान

उड्डयन उद्योग (एविएशन इंडस्ट्री) दुनिया का सबसे तेजी से उभरने वाला क्षेत्र है। एयरक्राफ्ट मेंटनेंस में रोजगार की व्यापक संभावनाएं हैं। मौजूदा समय में करीब पांच लाख पैसेंजर और कार्गो एयरक्राफ्ट के अलावा व्यापार व निजी कामों के लिए 40 लाख छोटे प्राइवेट विमानों का इस्तेमाल विश्व भर में हो रहा है।

इस मामले में तेजी से विकसित होने वाले देशों में भारत भी शामिल है, जहां नागिरक उड्डयन के क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि हुई है। उड्डयन उद्योग में दो प्रमुख ब्रांच होती हैं : फ्लाइंग ब्रांच और मेंटेनेंस ब्रांच। विमान के मेंटेनेंस की पूरी जिम्मेदारी एयरक्राफ्ट विभाग के इंजीनियर की ही होती है।

नेचर ऑफ वर्क

एक विमान को हमेशा उड़ने योग्य बनाए रखने के पीछे एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियर की बड़ी भूमिका होती है। विमान के इंस्ट्रूमेंटेशन और अन्य संबंधित भागों की मरम्मत, मेंटेनेंस और नियंत्रण की जिम्मेदारी इसी व्यक्ति पर निर्भर करती है। वह विमान के इंजन और लगातार काम कर रहे पुर्जों की भी जांच करता है। इसके अलावा एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग के क्षेत्र में डिजाइनिंग, विमानों का निर्माण और उनकी मेंटेनेंस के अलावा नेविगेशनल गाइडेंस, इंस्ट्रूमेंटेशन, हाईड्रॉलिक व न्योमेंटेंशन, इंजन और फ्यूल सिस्टम, कंट्रोल और कम्युनिकेशन सिस्टम जैसे कार्य शामिल हैं। एयरक्राफ्ट मैकेनिक को कई प्रकार के अलग-अलग विमानों में कार्य करना पड़ता है। इन मैकेनिक को विमानों की क्षमता बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रिकल सिस्टम, इंसपेक्शन और एयरकंडीशनिंग मैकेनिज्म की ट्रेनिंग भी दी जाती है। एयरक्राफ्ट मैकेनिक दो प्रकार के ऑपरेशन के तहत काम करते हैं।

लाइन मेंटेनेंस मैकेनिक्स

- लाइन मेंटेनेंस मैकेनिक्स विमान के किसी भी संबंधित पुर्जे पर काम कर सकते हैं।
- एयरपोर्ट पर इमरजेंसी या जरूरत के समय पर रिपेयरिंग का काम
- फ्लाइट 'टेक ऑफ के समय' इंजीनियर के निर्देशानुसार निरीक्षण का कार्य

ओवरहॉल मैकेनिक्स

- विमानों की उड़ान खत्म होने के बाद उनकी रुटिन मेंटेनेंस का काम ओवरहॉल मैकेनिक्स की देख-रेख में ही होता है।
- विमान के एयरफ्रेम और मरम्मत की जिम्मेदारी एयरक्राफ्ट एयरफ्रेम मैकेनिक की होती है।
- जबकि एयरक्राफ्ट पावर प्लांट मैकेनिक विमान के इंजन पर कार्य करते हैं।

योग्यता

बारहवीं में साइंस स्ट्रीम (फीजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित के साथ) से पढ़ाई करने के बाद अभ्यर्थी इसके एंट्रेंस एग्जाम में बैठ सकते हैं। चार साल के ऐरोस्पेस इंजीनियर कोर्स में दाखिले के बाद अभ्यर्थी इस क्षेत्र में नौकरी पा सकते हैं। एंट्री लेवल की जॉब पाने के लिए बैचलर इंजीनियरिंग (बीई) डिग्री से ही काम चलाया जा सकता है, जबकि बड़े पदों पर पहुंचने के लिए मास्टर या डॉक्टरेट डिग्री करना अनिवार्य है।

एएमई कोर्स में दाखिला पाने के लिए योग्यता

- 12वीं में फीजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित का कुल एग्रीगेट 50 प्रतिशत होना जरूरी है।
- या किसी भी इंजनियरिंग विभाग से 3 साल का डिप्लोमा किया हो।
- फीजिक्स, कैमिस्ट्री और गणित के साथ 12वीं के बाद बीएसएसी में स्नातक किया हो।एयरक्राफ्ट के क्षेत्र में किसी भी पद पर नौकरी करने के लिए सिविल एविएशन के डायरेक्टर जनरल (डीजीसीए) से लाइसेंस प्राप्त करना जरूरी है।

एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग लाइसेंस

भारत में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग के पेशे में आने के लिए डीजीसीए से लाइसेंस प्राप्त करना बहुत जरूरी है। इस दिशा में ऐरोनॉटिकल सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी एसोसिएट मेंबरशिप एग्जाम सर्टिफिकेशन में हाजिर होना पड़ता है। सफलतापूर्वक एग्जाम पास करने के बाद अभ्यार्थी डीजीसीए द्वारा प्रमाणित किसी भी संस्थान में दाखिला ले सकते हैं। यह सिर्फ इसलिए क्योंकि उन्हीं संस्थानों में सबसे प्रमुख मेंबरशिप एग्जाम के लिए ट्रेनिंग दी जाती है। इंटर्नल एग्जाम सेक्शन ए और बी में पास होने के बाद डीजीसीए आपको एएमई लाइसेंस जारी कर देगा। लाइसेंस प्राप्त करने के लिए आयु सीमा 23 वर्ष निर्धारित की गई है, लेकिन इंजीनियरिंग और साइंस में ग्रेजुएट को कुछ छूट मिल सकती है।

भारत के प्रमुख एएमई कॉलेज

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एयरक्राफ्ट इंजीनियरिंग, दिल्ली
- राजीव गांधी एविएशन एकेडमी, बोवेनपल्ली, सिकंदराबाद
- हैदराबाद (एपी) इंस्टीट्यूट ऑफ एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग, गौतम नगर, सिकंदराबाद
- बेंगलुरू हिंदुस्तान एविएशन एकेडमी, चिन्नापनाहल्ली, बेंगलुरू
- सेंटर ऑफ सिविल एविएशन ट्रेनिंग, दिल्ली
- हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी, जीएसटी रोड, सेंट थोमस माउंट, चेन्नई
- ऐरोनॉटिकल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, लखनऊ

म्यूजिक थेरेपी से करें मरीज के मर्ज का इलाज

आज की भागदौड़ भरी जिदंगी में लोगों को डिप्रेशन जैसी कई मानसिक समस्याओं से जूझना पड़ता है और म्यूजिक थेरेपी इन सबसे उबरने में मददगार साबित हो सकती है। भारत में म्यूजिक थेरेपी का प्रचलन बहुत ज्यादा तो नहीं है क्योंकि इस पर बहुत खर्च आता है लेकिन इसके असरदार परिणामों को देख अब यह भारत में भी लोगों के बीच लोकप्रिय हो रही है। म्यूजिक थेरेपी का प्रभाव बहुत गहरा होता है। यह नकारात्मकता को सकारात्मकता में बदल सकती है। अगर आपको संगीत से प्यार है और आपका बैकग्राउंड भी म्यूजिकल है तो आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर बना सकते हैं। संगीत थेरेपी में विकारों को दूर करने के लिए इंसान के स्वभाव और समस्या के अनुसार संगीत तैयार करना होता है। इसके लिए आर्केस्ट्रा और अन्य कई इक्विप्मेंट्स का इस्तेमाल किया जाता है। जैसे-जैसे मरीज की हालत में सुधार आता है संगीत में उसके अनुसार बदलाव किया जाता है। इसके जरिए इलाज के लिए ऐसे संगीत का इस्तेमाल किया जाता है जिससे व्यक्ति को चैन मिल सके। इससे मरीज की निराशा, व्यवहार और भावनात्मक समस्याओं में कमी लाई जा सकती है। म्यूजिक थेरेपी को आजकल डॉक्टर भी बढ़ावा दे रहे हैं क्योंकि यह काम के बोझ के तले दबे लोगों के लिए काफी कारगर साबित हो रही है। यही कारण है कि इंजीनियर, आईटी प्रोफेशनल्स, कॉल सेंटरकर्मियों से लेकर मीडियाकर्मी तक इस थेरेपी का सहारा ले रहे हैं। जहां दवाएं काम नहीं करतीं, वहां संगीत अपना असर दिखा सकता है।

ये हैं कोर्स

हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई विशिष्ट योग्यता की आवश्यकता नहीं है लेकिन संगीत थेरेपी में कोई भी कोर्स करने के लिए बारहवीं उत्तीर्ण होना बुनियादी आवश्यकता है। इसके अलावा अगर आपने ये कोर्स किए हुए हों तो इस क्षेत्र में प्रवेश करना आपके लिए और आसान हो जाता है।

- एडवांस्ड लेवल म्यूजिक थेरेपी कोर्स
- सर्टिफिकेट इन म्यूजिक थेरेपी
- पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन क्लीनिकल म्यूजिक थेरेपी
- प्रोफेशनल पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन म्यूजिक थेरेपी

व्यक्तिगत योग्यता

- लोगों की मदद करने की क्षमता
- क्लाइंट को भावनात्मक रूप से मदद करने का गुण
- दया की भावना
- धैर्य
- रचनात्मकता
- दृढ़ निश्चय
- काम के प्रति समर्पण
- आलोचना को सही रूप में स्वीकार करने की क्षमता
- आत्मविश्वास
- संगीत का पूर्ण ज्ञान

ब्रांड मैनेजमेंट कॉर्पोरेट दुनिया में कॅरियर की अपार संभावनाएं

प्रतियोगिता के इस दौड़ में हर कंपनी अपने उत्पाद को अलग ढंग से प्रस्तुत करना चाहती है और यही वजह है कि इस तरह के प्रोफेशनल कोर्स की अब खूब मांग होने लगी है। हर कंपनी ग्राहकों की मांग को देखते हुए अपने उत्पाद की ब्रांडिंग करना चाहती है ताकि उसका उत्पाद बाजार में सबसे खास लगे। अपने उत्पाद को अलग ढंग से प्रस्तुत करने की यही कला ब्रांडिंग कहलाती है। ब्रांडिंग की इस प्रकिया में ब्रांड मैनेजर अहम भूमिका निभाता है। इसलिए आज हम आपको बता रहे हैं कि कैसे इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाएं।

एक आइडिया जो बदल दे आपकी दुनिया' या फिर 'कुछ दाग अच्छे हैं' ये स्लोगन ऐसे हैं, जो बच्चों-बड़ों सबकी जुबान पर होते हैं। उनसे अगर इन स्लोगन के बारे में पूछा जाए तो वे आसानी से बता देंगे कि ये किस प्रोडक्ट का स्लोगन है। वास्तव में ये स्लोगन नहीं हैं, ये है ब्रांडिंग। किसी ब्रांड (प्रोडक्ट) की ब्रांडिंग कर उन्हें जन-जन तक कैसे पहुंचाया जाता है, इसका एक नमूना मात्र हैं ये। आज का समय ऐसा है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। ऐसे में आज के इस प्रतियोगी युग में सभी छोटी-बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट को आगे निकालने के लिए जम कर ब्रांडिंग का इस्तेमाल कर रही हैं और इन कामों को बखूबी अंजाम देने का काम कर रहे हैं कंपनी के ब्रांड मैनेजर और ब्रांड मैनेजमेंट टीम। ब्रांडिंग के बढ़ते इस्तेमाल ने ब्रांड मैनेजमेंट को युवाओं के लिए एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभारा है। भीड़ में अपने उत्पाद को कुछ अलग अंदाज में पेश करने के लिए उसे ब्रांडिंग की जरूरत होती है। इसके तहत कंपनी अपने प्रोडक्ट को कुछ ऐसे अंदाज में पेश करना चाहती है ताकि वह मार्केट में ज्यादा से ज्यादा लोगों की नजर में आए।

प्रतियोगिता ने बढ़ाई मांग

ब्रांड मैनेजमेंट से संबंधित प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों की मांग छात्रों के बीच दिनों-दिन बढ़ रही है। इससे पाठ्यक्रम से जुड़े अवसरों का सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। कई शिक्षण संस्थानों ने अपने मैनेजमेंट पाठ्यक्रमों में ब्रांड मैनेजमेंट को विशेष विषय के रूप से पढ़ाना भी शुरू कर दिया है।

प्रमुख क्षेत्र

ब्रांड मैनेजमेंट के दायरे में आने वाले प्रमुख क्षेत्र हैं- मार्केट रिसर्च, एनालिसिस ऑफ मार्केटिंग ट्रेंड, कज्यूमर डिमांड, ब्रांड लांच एंड यूएसपी, ब्रांड रिसर्च, ब्रांड प्रमोशन और डिस्ट्रिब्यूशन। इन सभी ब्रांड मैनेजमेंट के क्षेत्रों में इसके प्रोफेशनल काम करते हैं।

योग्यता

ब्रांड मैनेजर बनने के लिए ब्रांड मैनेजमेंट या मैनेजमेंट में डिग्री या डिप्लोमा कोर्स करना जरूरी है। देश के कई संस्थानों में इसके लिए अलग-अलग कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। कई मैनेजमेंट संस्थानों इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) में अभी ब्रांड मैनेजमेंट स्पेशलाइजेशन में दो वर्षीय डिग्री नहीं है, लेकिन आईआईएम तिरुचिरापल्ली में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन ब्रांड एंड एडवर्टाइजिंग मैनेजमेंट का कोर्स संचालित किया जा रहा है।

शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स भी उपलब्ध

आईआईएम अहमदाबाद, बेंगलुरू, इंदौर और कोलकाता में ब्रांड मैनेजमेंट का शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स कराया जा रहा है। कई प्राइवेट संस्थान अपने यहां ब्रांड मैनेजमेंट स्पेशलाइजेशन में बैचलर, पीजी डिप्लोमा और एडवांस्ड पीजी डिप्लोमा जैसे कोर्स संचालित कर रहे हैं। इसके अलावा देशभर के अधिकांश संस्थानों में मैनेजमेंट के लिए एमबीए कोर्स करने वाले सभी छात्रों को अनिवार्य रूप से एक पेपर के रूप में ब्रांड मैनेजमेंट का अध्ययन कराया जा रहा है।

क्रिएटिव होना जरूरी

सफल ब्रांड मैनेजर बनने के लिए क्रिएटिव माइंड का होना जरूरी है। इस फील्ड में आइडिया काफी मायने रखते हैं। इनके बूते ही कंपनी में नई-नई योजनाएं तैयार की जा सकती हैं। आइडिया तब ज्यादा कारगर साबित होते हैं, जब उनके साथ क्रिएटिविटी भी हो। इसके अलावा मार्केट रिसर्च, एनालिसिस, सेल्स और प्रोडक्ट के प्रमोशन की प्लानिंग जैसी स्किल होना भी इस पेशे के लिए जरूरी है।

समय-समय पर बाजार में प्रोडक्ट को लेकर सर्वे करना भी काम का हिस्सा है।

सैलरी

ब्रांड मैनेजर को शुरुआती दौर में 30 से 35 हजार रुपये मासिक वेतन मिलता है। कुछ वर्षों के अनुभव और तरक्की के बाद वेतन 50 से 80 हजार रुपये प्रतिमाह तक हो जाता है। देश अभी औद्योगिक रूप से पूरी तरह विकसित नहीं हुआ है। यहां अब भी नई कंपनियों के लिए काफी संभावनाएं हैं और एफडीआई के जरिए उन्हें आकर्षित करने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। ऐसे में विदेशी कंपनियों के आने पर ब्रांड मैनेजरों के वेतन में वृद्धि लाजिमी है।

जरूरी गुण

ब्रांड मैनेजमेंट के प्रोफेशन में अच्छी कम्यूनिकेशन स्किल का होना पहली शर्त है। दरअसल ब्रांड से जुड़े लोगों का काम अपने प्रोडक्ट की छवि को मार्केट में बेहतर बनाना होता है। यह काम बिना कम्यूनिकेशन स्किल के मुमकिन नहीं है। इसी तरह तार्किक दिमाग इस पेशे की दूसरी अनिवार्य शर्त है। यह पूरा पेशा ही मार्केट रिसर्च और प्रतिद्वंद्वी कंपनियों से खुद को बेहतर साबित करने की कोशिश पर केंद्रित है। इसलिए सतर्क दिमाग और तार्किक सोच के साथ काम को अंजाम देना भी आना चाहिए।

संभावनाएं

ब्रांड मैनेजमेंट की पढ़ाई के बाद आप बतौर ब्रांड मैनेजर या प्रोडक्ट मैनेजर एफएमसीजी कंपनियों से जुड़कर काम करते हुए उपभोक्ताओं की जरूरतों और बाजार की नब्ज को पकड़ सकते हैं, तो अपनी कंसल्टेंसी भी शुरू कर सकते हैं।

विदेशों में काम करने का मौका

इस क्षेत्र में काम करने वाले युवाओं को भारत के अलावा विदेश में भी काम करने का मौका मिलता है। वहां पर उन्हें भारत की अपेक्षा कई गुना अधिक पैसा मिलता है। साथ ही ऐसे युवा जिन्होंने सफलतापूर्वक ब्रांड मैनेजमेंट का कोर्स पूरा कर लिया हो, हिन्दुस्तान लीवर, महिन्द्रा एंड महिन्द्रा, गोदरेज इंडिया, सनफार्मा, एल्केम फार्मा, आदित्य बिड़ला ग्रुप, रिलायंस में आसानी से नौकरी मिल जाती है।

संबंधित संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ प्लानिंग एंड मैनेजमेंट, दिल्ली
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, अहमदाबाद, बेंगलुरु, लखनऊ और इंदौर
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड मैनेजमेंट, रांची
- एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे

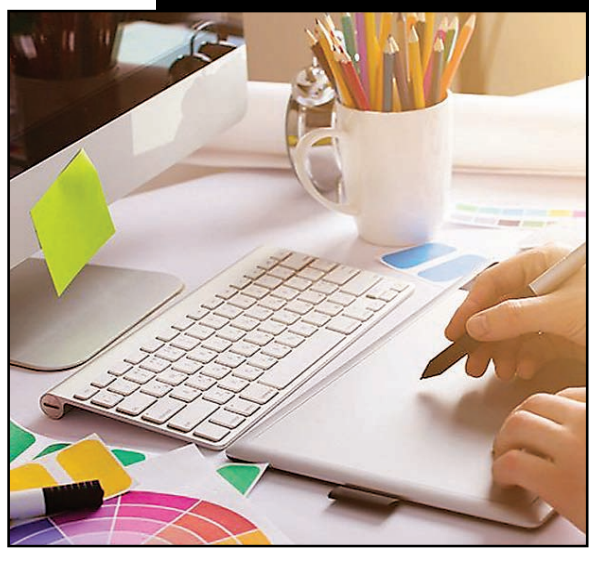

जोधपुर रेल मंडल पर व्यापक सफाई अभियान के साथ स्वच्छता पखवाड़ा का समापन

जोधपुर रेलवे स्टेशन पर लगाई स्वच्छता चौपाल

स्टेशनों, ट्रेनों और रेल परिसरों में स्वच्छता के लिए चलाया जन जागरूकता अभियान

♦भारत टाइम्स♦

जोधपुर। रेलवे द्वारा स्वच्छता के प्रति संकल्प की प्रतिबद्धता के लिए 1 से 15 अक्टूबर तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाडे के दौरान आमजन और यात्रियों को जागरूक कर उनकी सहभागिता के साथ सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाया गया। इसकी शुरूआत 01 अक्टूबर को रेलकर्मियों द्वारा स्वयं और दूसरो को स्वच्छता के लिए प्रेरित करने हेतु स्वच्छता शपथ के साथ हुई। इस अवसर पर आज मुख्य सिटी स्टेशन पर स्कूली बच्चों और रेल यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए चौपाल का आयोजन किया गया। स्वच्छता चौपाल के माध्यम कार्यस्थलों की स्वच्छता और वेस्ट टू वेल्थ की अवधारणा जैसे मुद्दों पर कार्य किया। स्वच्छता व सुरक्षा के प्रति जागरूकता है इसके तहत यात्रियों के साथ सीधा संवाद कर उन्हें साफ-सफाई, रेलवे सुरक्षा एवं रेलवे परिसर में उपलब्ध सुविधाओं के प्रति जागरूक किया गया। मंडल रेल प्रबंधक पंकज कुमार सिंह ने बताया कि स्वच्छता पखवाड़े में 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक प्रत्येक दिन अलग-अलग विषयवस्तु (धीम) के आधार पर स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का कार्य किया गया। 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्रमदान कर सफाई व्यवस्था में भागीदारी निभाई। रेल कर्मचारियों तथा अधिकारियों के साथ-साथ कुलियों, ऑटो चालक यूनियन पदाधिकारियों, स्काउट व गाइड, स्कूली बच्चों, गैर सरकारी संगठनों एवं यात्रियों के साथ साथ आमजन ने भी श्रमदान कर अपना योगदान दिया। 3 अक्टूबर से 6 अक्टूबर तक आयोजित स्वच्छ स्टेशन तथा स्वच्छ रेलगाडी दिवस के अन्तर्गत स्टेशनों पर स्वच्छता के लिए अभियान चलाकर स्वच्छता के स्तर को परखा गया। 7 अक्टूबर को स्वच्छ पटरी के तहत रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सफाई की गई तथा शहर या कस्बों के निकटवर्ती क्षेत्र में आने वाली पटरियों के आस-पास से गंदगी हटाई गई। 8 अक्टूबर को स्वच्छ परिसर के तहत रेल परिसर, कार्यस्थल व आवासीय क्षेत्रों में सफाई की गई। 09 व 11 अक्टूबर को स्वच्छ आहार व स्वच्छ नीर दिवस में सभी खान-पान इकाईयों में स्वच्छता पर विशेष बल दिया गया और सुनिश्चित किया गया कि यात्रियों को गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री और पेयजल उपलब्ध हो। 12 को स्वच्छ प्रसाधन और स्वच्छ पर्यावरण के तहत टॉयलेट, लिकेज पाइप, पानी की निकासी इत्यादि से संबंधित कार्य किए गए। 13 अक्टूबर को नियमित सफाई रखने वाली इकाइयों के बीच स्वच्छ प्रतियोगिता दिवस मनाया गया। स्वच्छता पर स्कूली बच्चों के लिए निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। 14 अक्टूबर को सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक के लिए अभियान दिवस मनाया गया। इस क्रम में जोधपुर, मेड़ता रोड, पाली मारवाड़, नागौर, नोखा और भगत की कोठी सहित अन्य स्टेशनों पर रेल कर्मचारियों एवं उनके परिवार जनों द्वारा पानी को खाली प्लास्टिक के बोतलों एवं अन्य प्लास्टिक उत्पादों के वेस्ट से आकर्षक गमले एवं सुंदर कलाकृक्तियां बना कर कचरे के बेहतर उपयोग का संदेश दिया गया। 15 अक्टूबर को पखवाड़ा का समापन विभिन्न स्टेशनों पर स्वच्छता जागरूकता रैली के साथ किया गया। रैली में स्काउट व गाइड और सफाई कर्मचारियों, NGO, स्कूली बच्चों, गैर सरकारी संगठनों के सदस्यों ने पोस्टर, बैनर और नारों से यात्रियों एवं आमजन को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

टाटा न्यू ऐप पर जीवन बीमा उत्पाद किए लॉन्च

पहले 90 दिनों में 250 मिलियन रुपये के एएनपी के साथ उत्साहजनक प्रतिक्रिया देखी गई

♦भारत टाइम्स♦

मुंबई। टाटा डिजिटल ने टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के साथ मिलकर अपने प्लेटफॉर्म टाटा न्यू पर जीवन बीमा उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पेश की है। यह रणनीतिक कदम ग्राहकों की वित्तीय जरूरतों के लिए वन-स्टॉप-शॉप के रूप में टाटा न्यू की स्थिति को मजबूत करता है। ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए, बीमा खरीदने की प्रक्रिया को केवल तीन क्लिक तक सुव्यवस्थित किया गया है। ग्राहक डेटा और अंतर्दृष्टि द्वारा समर्थित, पूर्व-स्वीकृत ऑफर तुरंत प्रस्तुत किए जाते हैं, जिससे विस्तृत दस्तावेजीकरण की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। पॉलिसी दस्तावेज तब सहजता से जारी किए जाते हैं और सेकंड के भीतर ईमेल के माध्यम से भेजे जाते हैं, जिससे एक त्वरित और सहज खरीद यात्रा प्रदान होती है। टाटा न्यू के रिवॉर्ड प्रस्ताव के अनुरूप, ग्राहक न्यू-कॉइन भी कमा सकते हैं, जिसे टाटा इकोसिस्टम में भुनाया जा सकता है, साथ ही टाटा न्यू एचडीएफसी क्रेडिट कार्ड धारकों के लिए अतिरिक्त लाभ भी हैं। अमरीश खेर, चीफ बिजनेस ऑफिसर (इंश्योरेंस), टाटा डिजिटल ने कहा, टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस के साथ हमारी साझेदारी टाटा न्यू पर वित्तीय सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। पहले कुछ दिनों में हमें जो अविश्वसनीय प्रतिक्रिया मिली है, वह सुलभ, सस्ती और शीर्ष स्तरीय जीवन बीमा समाधानों की मांग का प्रमाण है। हम अपने ग्राहकों को अपनी संपत्तियों की सुरक्षा करने और सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से धन बनाने के लिए सशक्त बना रहे हैं। टाटा न्यू का उपयोगकर्ता के अनुकूल प्लेटफॉर्म और डिजिटल क्षमताएं ग्राहकों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुंचने और उन्हें उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने वाले अनुरूप समाधान प्रदान करने के लिए सही चैनल प्रदान करती हैं। बाशा जिलानी, अध्यक्ष - मुख्य वितरण अधिकारी, टाटा एआईए ने कहा,हमें खुशी है कि हमारे उपभोक्ता केंद्रित समाधान टाटा न्यू ऐप पर उपलब्ध हैं। इससे हम आज के डिजिटल मूल उपभोक्ताओं को उनके पसंदीदा शॉपिंग प्लेटफॉर्म टाटा न्यू के माध्यम से जीवन बीमा आसानी से उपलब्ध करा सकेंगे। हम टाटा न्यू के उपभोक्ताओं को नए युग की वित्तीय सुरक्षा और धन संचय के अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जिससे उन्हें फि कर-मुक्त जीवन जीने में सशक्त बनाया जा सके। टाटा न्यू लाखों उपभोक्ताओं के लिए एक पसंदीदा ई-कॉमर्स ऐप बन गया है, जो किराना, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, इलेक्ट्रॉनिक्स, यात्रा, आतिथ्य आदि क्षेत्रों में उत्पाद पेश करता है। जीवन बीमा समाधानों के साथ, टाटा न्यू एक व्यापक वित्तीय सेवा मंच के रूप में अपनी स्थिति को और मजबूत करता है। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस भारत में एक अग्रणी जीवन बीमा कंपनी है, जो टर्म कवर, बचत योजना, निवेश योजना और सेवानिवृत्ति समाधान सहित विविध प्रकार के समाधान प्रदान करती है।

भारत विकास परिषद की ओर से लगा तीसरे दिन भी चला निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर

♦भारत टाइम्स♦

रामनगर। विश्व विख्यात रामनगर की रामलीला में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत विकास परिषद शाखा रामनगर की ओर से दूर्ग रोड पर स्थित राधा किशोरी बालिका इंटर कालेज के सामने निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर तीसरे दिन भी लगाया और स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा वितरण किया। विश्व विख्यात रामनगर की रामलीला में हर वर्ष तीन दिवसीय चिकित्साल्य शिविर लगाई जाती है। जिसमें लोगों की भारी भीड़ होती है।भारी भीड़ होने और किसी श्रद्धालु को कोई स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत होती है तो यहां स्वास्थ्य परीक्षण करने के बाद निशुल्क दवा वितरण किया जाता है। जहा नगर के जाने-माने डाक्टरों द्वारा अपनी सेवा प्रदान की जाती है। भारत विकास परिषद शाखा रामनगर काशी द्वारा निशुल्क प्राथमिक चिकित्सा एवं सहायता शिविर में रामलीला में आए हुए लीला प्रेमियों का संस्था के वरिष्ठ एवं अनुभवी चिकित्सकों द्वारा इलाज करके दवा भी प्रदान किया जाता है। बुधवार रात भी को नगर के जाने-माने वरिष्ठ डाक्टर शुशील मिश्रा,डाक्टर विजयानंद तिवारी, विनोद गुप्ता, सहित अन्य डाक्टर उपस्थित थे।

सीरवी महासभा सदस्य मलाराम काग का सम्मान

♦भारत टाइम्स♦

तुमकूर। सीरवी समाज ट्रस्ट तुमकूर सीरवी छात्रावास भवन में रविवार को आम सभा आयोजित कि गई। बैठक में सभी सदस्यों की सर्व सहमति से सीरवी महासभा कर्नाटक कार्यकारिणी सदस्यो के लिए मलाराम काग को चुना गया। समाज की ओर से नवनिर्वाचित सदस्य मलाराम काग का माला साफा पहनाकर सम्मान किया गया। सचिव मंगलाराम ने कहा कि हाल ही में सीरवी महासभा कर्नाटक महासभा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया था। जिसमें प्रत्येक सीरवी समाज संस्थाओं से एक या दो सदस्यों को चुनकर महासभा में शामिल किया जा रहा है। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष जोगाराम सेपटा, उपाध्यक्ष मोतीलाल सोलंकी, ददाराम पंवार, कोषाध्यक्ष महेंद्र सैणचा, हरजीराम सेपटा, नारायणलाल काग, लखाराम आगलेचा, भोलाराम सोलंकी, रामलाल एवं पूर्व अध्यक्ष कुशाल राम सेपटा, पूर्व सचिव भंवरलाल परिहार आदि मौजूद थे।

सपा नेता को मातृ शोक

रामनगर । वाराणसी समाजवादी पार्टी के महानगर कार्यकारणी सदस्य विनोद यादव की माता श्याम रथी देवी का बुधवार की दोपहर गायत्रीनगर कालोनी स्थित आवास पर हो गया। 76 वर्षीर्या श्यामरथी पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रही थी। उनके निधन की सूचना पर बड़ी संख्या में राजनीतिक दलों, सामाजिक संस्थाओं से जुड़े लोग उनके आवास पर पहुँचे और अपनी शोक संवेदना प्रकट की। उनका अंतिम संस्कार रामनगर स्थित श्मशान घाट पर हुआ। मुखाग्नि विनोद यादव ने दी। वे अपने पीछे एक पुत्र, एक पुत्री पौत्र और पौत्री का भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।

भारत का प्रसिद्ध नृत्य कथक की प्रस्तुति वसुंधरा शर्मा के द्वारा प्रस्तुत की गई

♦भारत टाइम्स♦

वाराणसी। प्रत्येक पूर्णिमा का सांस्कृतिक अनुष्ठान ₹कलानिधि₹ चंद्रमा का पर्याय है जो मन का कारक है शांत एवं निस्वार्थ भाव से किया गया कोई भी कार्य असीम शीतलता प्रदान करता है।सातवार नौ त्यौहार की अद्भुत नगरी काशी में शरद पूर्णिमा के अवसर पर सुबह ए बनारस एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कला निधि के अंतर्गत शास्त्रार्थ वैदिक यज्ञ साधना एवं संगीत संध्या का आयोजन किया गया जिसके अंतर्गत कलानिधि कार्यक्रम में गायन वादन एवं नृत्य के साथ-साथ आध्यात्मिक कड़ी को भी समायोजित करने एक अद्भुत प्रयास किया गया है जिसमें इस नगर की प्रतिष्ठित संस्था पाणिनि कन्या महाविद्यालय की आचार्या एवं ऋषिकाओं के मध्य शास्त्रार्थ एवं यज्ञ को जीवंत करने का एक अद्भुत प्रयास साकार किया गया।प्रथम चरण में - कार्यक्रम का शुभारंभ शास्त्रार्थ एवं यज्ञ से किया गया। शास्त्रार्थ का विषय-वेदों में नारी विमर्श जिसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों में आचार्या संजीवनी पांडे और उनकी शिष्याओं- अनघा, स्वस्ति, सौम्या ,अनुष्का, श्रेया, द देविका, हवया ,नारायणी उपस्थित रहे।द्वितीय चरण में उत्तर भारत का प्रसिद्ध नृत्य कथक की प्रस्तुति वसुंधरा शर्मा के द्वारा प्रस्तुत की गई। जिसके अंतर्गत कृष्ण भजन, तराना, अभिनय- झनक झनक पायल बाजे, भाव नृत्य -वृंदावन कुञ्ज भवन नाचत गिरधारी प्रस्तुत करके दर्शकोंके हृदय को मंत्र मुग्ध करने का एक अद्भुत प्रयास किया।कलानिधि कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन सुबह ए बनारस के सचिव संस्थापक डॉ रत्नेश वर्मा ने किया । धन्यवाद ज्ञापन डॉ रत्नेश वर्मा ने किया।मुख्य अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के राष्ट्रीय निदेशक डॉ अभिजीत दीक्षित उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन सीमा केसरी ने किया।इस अवसर पर मंजू मिश्रा, सरोजिनी महापात्रा,टी एम महापात्रा (पूर्व निदेशक BHU)श्याम कुमार केसरी,अभय श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में दर्शकागण उपस्थित रहे।

कानपुर : कानून और शांति व्यवस्था के पक्ष में सफल इंस्पेक्टर प्रदीप का परिश्रम, जारी गोविंद नगर में गस्त

♦भारत टाइम्स♦

सुनील बाजपेई कानपुर। दशहरे को सकुशल संपन्न कराने के बाद आगामी दीपावली आदि के भी मद्देनजर यहां की गोविंद नगर पुलिस पीड़ितों के हित में और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने के साथ ही लगातार गस्त में भी जुटी हुई है। इस बीच गोविंद नगर के प्रभारी निरीक्षक इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह आगामी त्यौहारों को शांति और सद्भाव पूर्ण तरीके से मनाने की जोरदार अपील करते हुए कहा है कि कानून और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपराधियों के खिलाफ पुलिस का सहयोग करना हर नागरिक का कर्तव्य है। कानपुर से पहले विभिन्न जनपदों में अपनी सराहनीय सेवाएं दे चुके इंस्पेक्टर प्रदीप सिंह ने अपनी टीम के साथ गोविंद नगर में गस्त के दौरान लोगों से यह भी कहा कि अगर किसी के साथ कोई भी अपराधिक घटना होती है तो उसकी तत्काल सूचना पुलिस को अवश्य देनी चाहिए क्योंकि पुलिस आम जनता के हित में ही सदैव तत्पर और सक्रिय है। अवगत कराते चलें कि आम जनता में सुरक्षा की भावना को और प्रगाढ़ करने के लिए अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के साथ ही लगातार गश्त में भी जुटे अपनी नौकरी के अब तक के जुझारू कार्यकाल में अनेक शातिरों सबक सिखाने में भी सफल हो चुके गोविंद नगर के तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और बचन के पक्के माने जाने वाले परोपकारी स्वभाव के इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह का प्रगाढ़ सेवा भी ऐसा सराहनीय हैं कि उनके पास आने वाला कोई भी फरियादी कभी निराश होकर नहीं लौटता। पीड़ितों की तत्काल सहायता और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही के लिए भी चर्चित निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली के गोविंद नगर के जुझारू तेवरों वाले इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह किसी भी पीड़ित के लिए तब तक जुटे रहते हैं। जब तक उसकी समस्या का संतोषजनक।

रामनगर किला स्थित काले हनुमान जी का सीएमओ वाराणसी ने किया दर्शन

रामनगर। सीएमओ वाराणसी डॉक्टर संदीप चौधरी ने रामनगर किला स्थित दक्षिणामुखी काले हनुमान जी का दर्शन पूजन किया।दर्शन के उपरांत उनका अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया इस दौरान भाजपा नेता संतोष द्विवेदी,नंदलाल चौहान, अजय प्रताप सिंह,सृजन श्रीवास्तव,कुलदीप सेठ, जय सिंह चौहान,ऋषभ सिन्हा इत्यादि उपस्थित रहे।

ज्वैलर्स की दुकान में चोरी की वारदात का हुआ खुलासा

दस्तयाब के बाद उन्हें गिरफ्त में लिया गया। गिरफ्तार मुलजिमानो ने पूछताछ में चुडी मार्केट मे ज्वैलर्स की दुकान में चोरी करना स्वीकार कर लिया।

♦भारत टाइम्स♦

अलवर/ राजेश गुप्ता। अलवर शहर कोतवाली थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ज्वेलर्स की दुकान में चोरी करने के मामले में आरोपी वारिस उर्फ बाण्डा पुत्र जमशेद खान,निवासी मन्नाका व उसका साथी माधव सैनी उर्फ मिंटू पुत्र राजेश सैनी,निवासी सोनावा डूंगरी को गिरफ्तार किया। कोतवाली थाने के एएसआई कन्हैयालाल ने बताया कि परिवादी मुकेश खंडेलवाल ने 12 अक्टूबर को थाने पर उपस्थित होकर मुकदमा दर्ज कराया की देर रात चूड़ी मार्केट में ओम ज्वेलर्स की दुकान के ताले टूट गए हैं और दुकान से करीब 15 किलो चांदी चोरी हो गई। जिसका एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया था। पुलिस ने सीसीटीवी वीडियो के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से मोटरसाइकिल भी बरामद की। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच की और आरोपियों को गिरफ्त में लिया। **टीम कार्यवाही के दौरान साक्ष्य :-** टीम के सदस्यो ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। घटना के संबंध में मुखबीर मामूर किये गये। टीम द्वारा घटना के संबंध में आम-सूचना संकलन का कार्य किया गया व आम-सूचना संकलन के आधार पर पर व टीम के अथक प्रयास से मन्नाका से शातिर चोर वारिस उर्फ बाण्डा व माधव सैनी उर्फ मिन्टू को दस्तयाब किया गया। दस्तयाब के बाद उन्हें गिरफ्त में लिया गया। गिरफ्तार मुलजिमानो ने पूछताछ में चुडी मार्केट मे ज्वैलर्स की दुकान में चोरी करना स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार मुलजिमो से करीब 6 किलो चांदी के जेवरात (करीब 5.50 लाख रुपए) के बरामद किये व घटना मे पर्युक्त वाहन मोटरसाईकिल को जब्त किया। बाकी के माल की बरामदगी के लिए कारवाई जारी है। **खुफिया रूप से की कार्रवाई :-** अलवर शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत पुलिस निरीक्षक रोहित कुमार की इस पूरे मामले में मॉनिटरिंग रही व बेहतरीन कार्य को दिशा देते रहे। घटना का संज्ञान आते ही पुलिस उप निरीक्षक रोहित कुमार तत्परता से कार्रवाई के लिए जुट गए व उन्होंने चारों तरफ के सीसीटीवी कैमरे चेक किये। उनके साथ ही टीम में मौजूद रहे कांस्टेबल मुकेश गुर्जर व रोहित भी जानकार सूत्रों से जानकारी लेने लगे। लगातार मेहनत करने के बाद आखिरकार चार दिन बाद घटना का खुलासा कर दिया।

मुनि सदा रहते हैं जागरूक : शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमण

आचार्यश्री ने जागरूक रहने को किया अभिप्रेरित

मुमुक्षु चन्द्रप्रकाश को 10 नवम्बर को आचार्यश्री ने की मुनि दीक्षा प्रदान करने की घोषणा

सूरत को मिला तीसरे दीक्षा समारोह के आयोजन का सौभाग्य

♦भारत टाइम्स♦

वेसु, सूरत (गुजरात)। जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी बुधवार को ह्यआयारोह्न आगम के तीसरे अध्ययन के माध्यम से पावन पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि इसके प्रथम सूत्र में एक बात बताई गई है कि जो अमुनि होते हैं, वे सदा सोए हुए रहते हैं और मुनि सदा जागृत रहते हैं। ज्ञानी आदमी मुनि होता है। ज्ञान के साथ जिसमें संयम, अहिंसा, अपरिग्रह आदि की चेतना आ जाती है, सम्यक् दृष्टियुक्त जो चारित्रवान हो जाते हैं, वे मुनि होते हैं। ऐसे बाहर से सो भी रहा है तो भी जागरूक रहता है। वह कभी नींद का परित्याग कर धार्मिक जागरणा करने वाले भी हो सकते हैं। शरीर से सोते हुए सम्यक् दृष्टि और सम्यक् चारित्र वाले मुनि आध्यात्मिक दृष्टि से जागरणा करते हैं। आचार्यश्री ने आचार्यश्री भिक्षु के जीवन के अनेक घटना प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि कभी किसी कार्यवश भी साधु को जागना हो सकता है तो कभी वह अपनी साधना आदि की दृष्टि से भी जागरणा कर लेता है। साधु का साधुपना नींद में भी होता है। जो अज्ञानी लोग होते हैं, वह जागते हुए भी सोए हुए रहते हैं। प्रमाद के कारण आदमी जागते हुए भी सोते के समान होता है, जो सघन कर्मों का बंधन कर सकता है। इसलिए आयारो में बताया गया कि जो मुनि अर्थात् ज्ञानी लोग होते हैं, वे सोते हुए जागृत अवस्था में हो सकते हैं। आचार्यश्री ने तेरापंथ धर्मसंघ के चतुर्थ आचार्य श्रीमज्जयाचार्यजी के जन्मदिवस पर उनके जीवन के विभिन्न प्रसंगों का भी वर्णन किया। आचार्यश्री ने उनकी अभिवंदना, अभ्यर्थना की। मंगल प्रवचन के उपरान्त आचार्यश्री ने मुमुक्षु चन्द्रप्रकाश से उसकी आंतरिक भावनाओं की पुष्टि करने के उपरान्त परिजनों की भावनाओं को जानने के उपरान्त आचार्यश्री ने घोषणा करते हुए कहा कि मुमुक्षु चन्द्रप्रकाश को कार्तिक शुक्ला नवमी दस नवम्बर 2024 को मुनि दीक्षा देने का भाव है। ऐसी घोषणा करते हुए पूरा प्रवचन पण्डाल जयघोष से गुंजायमान हो उठा। ज्ञातव्य है कि इससे पूर्व सूरत में आचार्यश्री दो दीक्षा समारोह कर चुके हैं। तीसरे दीक्षा समारोह का अवसर पाकर सूरत चतुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति अतिशय आह्लादित नजर आ रही थी। चतुर्दशी तिथि के संदर्भ में आचार्यश्री ने हाजरी के क्रम को संपादित करते हुए अनेक प्रेरणाएं प्रदान कीं। तदुपरान्त उपस्थित चारित्रात्माओं ने अपने-अपने स्थान पर खड़े होकर लेखपत्र का उच्चारण किया।

बोनस का शासनादेश शीघ्र जारी किया जाय

♦भारत टाइम्स♦

वाराणसी। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला मंत्री श्याम राज यादव ने कहां की सामान्य दिनों में वेतन के भुगतान हेतु 25 तारीख से कोषागार में सभी विभागों से बिल प्राप्त किए जाते हैं जिनका भुगतान 1 तारीख को कर दिया जाता है। परंतु इस बार दीपावली पर्व पड़ने के कारण बोनस का भी भुगतान करना पड़ेगा यह तभी संभव हो पाएगा जब सरकार दीपावली से पूर्व वेतन भुगतान करने के आदेश और समय रहते बोनस भुगतान हेतु घोषणा कर दे ताकि समय से पूर्व बिल कोषागार में जमा कराया जा सके तभी वेतन और बोनस का भुगतान संयुक्त रूप से किया जा सकता है।

महाकुंभ 2025 की तैयारियों का जायजा

पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक ने प्रयागराज स्टेशनों का किया गहन निरीक्षण

♦भारत टाइम्स♦

शीतल निर्भीक/रंजना वर्मा। वाराणसी। महाकुंभ मेला 2025 में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के मद्देनजर उनकी सुगमता और सुविधाओं की तैयारी को लेकर पूर्वोत्तर रेलवे की महाप्रबंधक, सुश्री सौम्या माथुर, ने आज बुधवार को बनारस-प्रयागराज रामबाग रेल खंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। उनके साथ मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी विनीत कुमार श्रीवास्तव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

इस निरीक्षण का उद्देश्य कुम्भ के दौरान रेल यात्रा को सुगम और सुरक्षित बनाना है। इस दौरान महाप्रबंधक सुश्री सौम्या माथुर ने प्रयागराज रामबाग और झूँसी स्टेशनों का भी निरीक्षण किया, जहां श्रद्धालुओं के लिए विशेष यात्री सुविधाओं के विस्तार कार्यों का जायजा लिया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि निर्माण कार्यों को समयसीमा के भीतर और उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। इस मौके पर प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक अनिल कुमार सत्पथी, प्रमुख मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर राजेश पाण्डेय और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

महाप्रबंधक ने झूँसी स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों जैसे नए सेकंड एंट्री गेट,यात्री प्रतीक्षालय, हाई मास्ट लाइट और अस्थाई शौचालय का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कुम्भ मेले के दौरान आने वाले यात्रियों के लिए आवश्यक सुविधाओं की भी जांच की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि वैकल्पिक व्यवस्थाओं को भी प्रभावी तरीके से स्थापित किया जाए।

इसके बाद, उन्होंने प्रयागराज रामबाग स्टेशन का निरीक्षण किया, जहां निमार्णाधीन यात्री आरक्षण केंद्र, अस्थाई फूड स्टॉल्स, और अतिरिक्त प्रवेश-निकास मार्गों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही, यात्रियों की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के लिए सीसीटीवी सर्विलांस और नियंत्रण कक्ष की तैयारियों का भी जायजा लिया। महाप्रबंधक ने गंगा नदी पर बन रहे मेजर ब्रिज संख्या 111 का मोटर ट्राली से निरीक्षण किया और ब्रिज के दोहरीकरण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। अशोक कुमार, जनसंपर्क अधिकारी, ने बताया कि झूँसी-प्रयागराज रेल खंड में निर्माण कार्य दिसंबर 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है, जिससे कुम्भ के दौरान रेलवे यातायात में बड़ी सुविधा होगी।

CM हेल्पलाइन में भोपाल की 21 हजार शिकायतें पेंडिंग,सीएम की समीक्षा से अफसरों की उड़ी नींद

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 28 अक्टूबर को सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों की समीक्षा करेंगे। भोपाल में 21 हजार से ज्यादा शिकायतें पेंडिंग हैं। इनमें अकेले नगर निगम की ही 5 हजार शिकायतें हैं। ऐसे में अब पूरा फोकस निराकरण पर है। इसे लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह अफसरों की बैठक भी ले चुके हैं। वहीं, जिला पंचायत सीईओ ऋतुराज सिंह को विभागवार समीक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ताकि, शिकायतों का आंकड़ा कम हो सके। मंगलवार के बाद बुधवार को भी अफसरों की मीटिंग हुई।

100 दिन पुरानी शिकायतों पर ज्यादा जोर- भोपाल में 100 दिन पुरानी शिकायतों को निपटाने पर ज्यादा जोर है। कलेक्टर सिंह ने भी स्पष्ट कहा है कि ऐसी शिकायतों को अनावश्यक रूप से पेंडिंग न रखें। वहीं, 50 दिन पुरानी शिकायतें भी निपटाई जा रही हैं।10 दिन में आधी शिकायतों के निराकरण का टॉरगेट- अगले 10 दिनों में आधी शिकायतों के निराकरण का टॉरगेट है। ताकि, सीएम के सामने जब पेंडिंग शिकायतों को लेकर प्रजेंटेशन हो तो भोपाल की स्थिति बेहतर रहे। वर्तमान में प्रदेश की 46वीं रेंकिंग है। इसे सुधारने पर भी फोकस है।

नए कॉलेजों और पाठ्यक्रमों की शुरूआत के लिए समय सारिणी निर्धारित

♦भारत टाइम्स♦

लखनऊ। शैक्षिक सत्र 2025-26 में बीएड पाठ्यक्रम के अतिरिक्त नए महाविद्यालयों और संस्थानों की स्थापना और मौजूदा कॉलेजों में नए स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की शुरूआत के लिए योगी सरकार ने समय सारिणी निर्धारित कर दी है। इस समय सारिणी के तहत 15 दिसंबर 2024 तक विश्वविद्यालयों में नए पाठ्यक्रमों के लिए अनापत्ति प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करने की अंतिम तिथि तय की गई है। इसके अतिरिक्त भूमि अभिलेखों के सत्यापन और निरीक्षण रिपोर्ट समेत विभिन्न प्रक्रियाओं के निर्धारण की समय सीमा निर्धारित की गई है।

31 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन एनओसी होगी जारी- प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने बताया कि 16 दिसंबर 2024 से 20 जनवरी 2025 तक भूमि अभिलेखों का राजस्व विभाग से सत्यापन कराया जाएगा। प्राप्त अनापत्ति प्रस्तावों को 7 दिनों के भीतर जिलाधिकारी को सत्यापन के लिए भेजा जाएगा और एक महीने के भीतर सत्यापन रिपोर्ट संबंधित विश्वविद्यालय को ऑनलाइन भेजनी होगी। 31 जनवरी 2025 तक अनापत्ति आदेश ऑनलाइन जारी किया जाएगा।

10 फरवरी तक की जा सकेगी अपील

यदि विश्वविद्यालय के निर्णय के विरुद्ध अपील करनी हो, तो 10 फरवरी 2025 तक शासन में अपील की जा सकती है, जिसकी निस्तारण तिथि 20 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। 28 फरवरी 2025 तक निरीक्षण मण्डल के गठन के लिए आवेदन किया जाएगा और 5 मार्च 2025 तक विश्वविद्यालय द्वारा निरीक्षण मण्डल का गठन कर लिया जाएगा। 5 अप्रैल 2025 तक निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी, और 20 अप्रैल 2025 तक सम्बद्धता प्रदान की जाएगी। सम्बद्धता से संबंधित अपीलें 31 मई 2025 तक निपटाई जाएंगी।

दीपोत्सव के लिए राम की पैड़ी से मार्किंग प्रक्रिया का श्रीगणेश

28 लाख दीयों को बिछाने से पहले दीपोत्सव के सभी आयोजन स्थलों पर मार्किंग प्रक्रिया शुरू

♦भारत टाइम्स♦

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में अयोध्या में शुरू हुआ दीपोत्सव अब आठवीं बार कीर्तिमान बनाने को तैयार है। प्रशासन ने कमर कस ली है और काउंटडाउन भी शुरू हो गया है। अब बस इंतजार है 30 अक्टूबर को होने वाले मुख्य आयोजन का। डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की तरफ से दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए दो दर्जन से अधिक कर्मियों के साथ राम की पैड़ी के घाटों पर मार्किंग का कार्य शुरू कर दिया है। बुधवार को पूर्वाह्न कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल के दिशा-निर्देशन में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव मोहम्मद सहील ने दूसरी बार मार्किंग की कमान सम्भाली। उन्होंने माइक्रोबायोलाजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रंजन सिंह व कर्मियों के साथ दीपोत्सव के दिन 25 लाख दीए प्रज्वलित किए जाने को लेकर 28 लाख दीए सजाने के लिए घाटों पर मार्किंग का कार्य कराया। उप कुलसचिव सहील ने बताया कि एक सप्ताह में घाटों पर मार्किंग का कार्य पूर्ण कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री के निर्देशन तथा कुलपति के कुशल प्रबंधन में रामनगरी का आठवां दीपोत्सव और भव्य होगा। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, इण्टर कालेज व एनसीओ के स्वयंसेवक पुनः पिछड़ा रिकार्ड तोड़कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में रामनगरी अयोध्या का नाम फिर से दर्ज कराने के लिए कमान संभाल चुके हैं।

स्वयंसेवकों को क्यूआर कोड से सुसज्जित आईकार्ड दिया जायेगा- दीपोत्सव नोडल अधिकारी प्रो. संत शरण मिश्र ने बताया कि एक सप्ताह में राम की पैड़ी के 55 घाटों पर मार्किंग कार्य पूरा कर लिया जायेगा। उन्होंने बताया कि 20 अक्टूबर तक स्वयंसेवकों के आई कार्ड देर शाम से वितरित होना शुरू हो जायेगा। राम की पैड़ी पर 25 लाख दीपों को प्रज्वलित करने व 28 लाख दीए बिछाने के लिए 30 हजार स्वयंसेवकों को क्यूआर कोड से सुसज्जित आईकार्ड दिया जायेगा। इस आई कार्ड को फुलप्रूफ बनाने के लिए कई फीचर्स भी शामिल किए गए हैं। इससे स्वयंसेवकों के आईकार्ड में डुप्लीकेसी नहीं हो सकेगी।

रामपथ और धर्मपथ भी होगा जगमग

दीपोत्सव में अयोध्या के धर्मपथ और रामपथ को भी जगमग किया जाएगा। इसके लिए लखनऊ के ताज रेडियो एंड इलेक्ट्रिक कंपनी को लाइटिंग की व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। राम कथा पार्क के पास इलेक्ट्रीशियन कैम्प लगा कर लाइटों को तैयार करने का कार्य कर रहे हैं। रामपथ और धर्मपथ के साथ लगभग 2 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में भव्य लाइटिंग की व्यवस्था के लिए तैयारी की जा रही है। डेकोरेटिव वॉल, इलेक्ट्रिक गेट और आर्टिफिशियल इलेक्ट्रिक लाइटों से पिलर को तैयार किया जा रहा है। 25 अक्टूबर तक कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित बालिका ने योजना का लाभ मिलने पर मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी। झाबुआ। लाडली लक्ष्मी योजना में वर्ष 2007 में पंजीकृत लाडली बालिका कु. हंसा पिता प्रतासिहं चौहान माता फुलकी चौहान झाबुआ जिले की तहसील रामा के ग्राम पंचायत रोटला की निवासी है। कु. हंसा के माता पिता का व्यवसाय कृषि है। 05 फरवरी 2007 में जन्मी बालिका की शिक्षा व लालन पालन के लिए हर माता-पिता की तरह हंसा के माता पिता भी चिंतित थे। उन्होने ग्रामीण अंचल की रूढियो को तोड़ते हुए बालिका को शिक्षित कराने का निर्णय लिया। ऐसे मे लाडली लक्ष्मी योजना उनकी मददगार साबित हुई। योजना के तहत बालिका को कक्षा 6 टी मे प्रवेश पर 2000 रुपये तथा कक्षा 9 वी मे प्रवेश पर 4000 रुपये एंव 11 वी मे प्रवेश पर 6000 रुपये एवं 12 वी मे प्रेवश पर 6000 रुपये राशि छात्रवृत्ति प्राप्त हुई राशि का उपयोग परिवार ने बालिका की बेहतर शिक्षा के लिए किया। प्रति भावना बालिका हंसा ने कक्षा 12 वी मे 75 प्रतिशत अकं प्राप्त किये गये है वर्तमान मे कु. हंसा चौहान कालेज के अध्ययनरत है कालेज मे प्रवेश लेने पर राशि 12500 रुपये छात्रवृत्ति के रूप मे प्राप्त हुई है, जिसका उपयोग बालिका प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में कर रही है। कु. हंसा आगे चलकर प्रशासनीक अधिकारी बनना चाहती है। बालिका व उसका परिवार मुख्यमंत्री का हृदय से धन्यवाद करता है कि बालिका सशक्तिकरण हेतु लाडली लक्ष्मी योजना से लाभान्वित किया। विभाग बालिका को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने हेतु बालिका के परिवार को एक आदर्श परिवार के रूप में समाज व देश में प्रेरणा दाता परिवार मानता है।

झाबुआ आबकारी विभाग द्वारा 195840 रुपये की अवैध शराब जप्त की गई

♦भारत टाइम्स♦

रहीम शेरानी। झाबुआ। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना एवं मुकेश नेमा उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निदेर्शों के पालन में मदिरा धारण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध श्रीमती बसंती भूरिया, जिला आबकारी अधिकारी झाबुआ के निर्देशन में 16 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर आबकारी की संयुक्त टीम द्वारा कार्यवाही की गई। वृत्त झाबुआ 'अ' के ग्राम परवट में मुखबिर द्वारा बताये स्थान शासकीय जर्जर भवन की विधिवत तलाशी लेने पर कुल 24 पेटी बैग पाईपर व्हिस्कि विदेशी मदिरा (कुल-207.36 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर अज्ञात के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्यवाही नवीन विधान हेतु निर्धारित प्रक्रिया अनुसार विडियो आदि बनाकर कि गयी। उक्त जप्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 195840 रुपये है। उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक अकलेश सोलंकी द्वारा की गई। आबकारी उपनिरीक्षक विकास वर्मा एवं आबकारी स्टाफ कान्तु डामोर, सोहन नायक, श्रीराम शर्मा, मदन राठौर, पवन गाड़रिया, विजय चौहान एवं श्रीमती पुष्पा बारिया का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

DRM तिराहे का रास्ता खोलने मेट्रो ने हटाई बेरिकेडिंग,भोपाल में 8 महीने से बंद था रास्ता

भोपाल। के डीआरएम तिराहे का रास्ता बुधवार को खुल गया। मेट्रो ने अपनी बैरिकेडिंग और सामान हटा दिया। वहीं, पुलिस को भी रास्ता क्लियर करने का लेटर लिख दिया। हालांकि, रेलवे ट्रैक की साइड में गड्ढे को भरने का काम चल रहा है। इसलिए इक्का-दुक्का गाड़ियां ही निकल रही है। वहीं, सांची के सामने लगे बेरिकेड्स भी नहीं हटाए गए हैं। इनके हटने के बाद यह रास्ता गुरुवार-शुक्रवार को पूरी तरह से खोल दिया जा सकता है। तिराहे पर मेट्रो ने 200 टन वजनी कंपोजिट स्टील ब्रिज की लॉन्चिंग की है। इसी के नीचे से गाड़ियां और ऊपर से मेट्रो गुजरेगी। चूंकि, डायवर्सन 15 अक्टूबर तक ही था, इसलिए मेट्रो ने सड़क बनाने के बाद अपना सामान भी हटा दिया था। पुलिस ने भी दो दिन तक निरीक्षण किया। इसी बीच रेलवे के एक निर्माण के चलते रास्ते को खोलने का निर्णय टाल दिया गया। बुधवार को जब असमंजस की स्थिति बनी तो मेट्रो कॉरपोरेशन ने पुलिस को लेटर लिखकर रास्ता खोलने की बात कह दी। इसके साथ ही अपने बेरिकेड्स भी हटा दिए।

नाले का निर्माण हो रहा- तिराहे पर ट्रैक के साइड में नाले का निर्माण हो रहा है। हालांकि, रेलवे निर्माण के आसपास शेड लगा रहा है। ताकि किसी प्रकार का हादसा न हो। 5 लाख आबादी को राहत मिलेगी- रास्ता खुलने से करीब 5 लाख आबादी को आने-जाने में बड़ी राहत मिलेगी।

8 महीने से 7डे तक का ज्यादा फेरा- डीआरएम तिराहे की सड़क आईएसबीटी से वीर सावरकर ब्रिज के नीचे से होते हुए होशंगाबाद रोड को जोड़ती है। यही रास्ता मार्च यानी 8 महीने से बंद है। इससे ट्रैफिक का पूरा दबाव सावरकर सेतु से लेकर बोर्ड ऑफिस चौराहे तक बढ़ गया। बेतरतीब ट्रैफिक प्लान के कारण साकेत नगर और शक्ति नगर की अंदरुनी सड़कों पर भी ट्रैफिक का भार है।

मोहंदी में आयोजित किया गया समाधान शिविर

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़। (गोलू मरकाम)। जिले के पहुंच विहीन क्षेत्र ओरछा विकासखंड अंतर्गत ग्राम मोहंदी में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में कलेक्टर श्री बिपिन मांझी के निदेर्शानुसार नियद नेल्लानार अतर्गत समाधान शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान किया गया। शिविर में एसडीएम अभयजीत मंडावी की उपस्थिति में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों को अन्नप्राशन और माताओं को गोद भराई कार्यक्रम कराया गयो शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए हुए ग्रामीणों को राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का जानकारी देते हुए लाभ उठाने की बात कही। आदिवासी विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जन मन योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों से ली गई एसडीएम श्री मण्डावी ने लोगों की समस्याओं की जानकारी लेकर उन्हें त्वरित कार्यवाही करते हुए शिविर स्थल में जाति प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य परीक्षण, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड एवं राशन कार्ड, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए शिविर में पहुंचे संबंधित विभागीय अधिकारी कर्मचारियों को निर्देशित किया। शिविर में पहुंचे ग्रामीणों को जानकारी देते हुए आधार कार्ड, राशन कार्ड सहित विभिन्न प्रमाण पत्र बनाकर राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभ लेने का आग्रह किया। उन्होने बिमारियों से बचाव के लिए जल जीवन मिशन अंतर्गत संचालित योजनाओं की पानी का उपयोग करने का जानकारी दिया। उन्होंने शिविर स्थल पर ही जिला प्रशासन के द्वारा विभिन्न विभागों के माध्यम से हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। एसडीएम की उपस्थिति में शिविर में क्षेत्र के ग्रामीणों को खाद्य विभाग द्वारा राशन कार्ड वितरण किया गयो स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए मलेरिया और सकलसेल का जांच किया गया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में क्षेत्र के ग्रामीणों का आयुष्मान पखवाड़ा के तहत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, शिविर में लोंगो का पंजीयन कर सभी लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्सों के द्वारा किया गया, जिसमें एनसीडी स्क्रीनिंग के , पीएफ पॉजिटिव के, हाई ब्लड प्रेसर के, एनीमिया के , आंख परीक्षण और एएनसी परीक्षण लोगों का किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर में आयुष्मान पखवाड़ा के तहत लोगों को विभिन्न बिमारियों से बचने हेतु जानकारी दी गई। शिविर में सरपंच कुतुल श्रीमती मैनीबाई, सचिन कुतुल संजय यादव, कलमानार किशोर सहारे, कस्तूरमेटा श्री वड्डे, तहसीदार चिराग रामटेके, जनपद सीईओ मेघलाल मण्डावी,खंड शिक्षा अधिकारी दीनबंधु रावटे,मंडल संयोजक अजय तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से कलेक्टर ने किया नगरपालिका परिषद् आम निर्वाचन हेतु निर्वाचक नामावली का प्रकाशन

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़। (गोलू मरकाम)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री बिपिन मांझी द्वारा नगरपालिका परिषद् नारायणपुर आम निर्वाचन 2024 हेतु तैयार की गई निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन आज 16 अक्टूबर को कार्यालय कलेक्टर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से किया गया, जिसका आम नागरिकों के लिए निरीक्षण हेतु कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी राजस्व नारायणपुर, तहसील कार्यालय एवं नगरपालिका परिषद् में चस्पा किया गया है। नगरपालिका परिषद् के 15 वार्डों में दावा आपत्तियां प्राप्त करने हेतु नियुक्त किये गये कुल 20 प्राधिकृत कर्मचारियों द्वारा वार्डवार निर्धारित मतदान केन्द्रों में दावा आपत्ति प्राप्त की जाएगी। प्ररूप-क में नाम सम्मिलित करने हेतु आवेदन, प्ररूप-क-1 में दावा आपत्ति निराकरण के अंतिम तिथि तक विधानसभा के निर्वाचक नामावली में नाम दर्ज कर लिये जा सकता है। 16 से 23 अक्टूबर 2024 तक दावा आपत्तियां की जा सकती है तथा 24 से 29 अक्टूबर तक दावा आपत्तियों का निराकरण किया जाएगा। नगरपालिका परिषद नारायणपुर अंतर्गत 01 से 15 वार्डों में कुल 16195 मतदाताएं हैं, जिसमें 8 हजार 504 महिलाएं, 7 हजार 690 पुरूष तथा 01 अन्य मतदाता हैं। प्ररूप-क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा आपत्ति प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 04 नवम्बर, प्ररूप-क-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को दावा आपत्ति के निराकरण करने की अंतिम तिथि 08 नवम्बर 2024 निर्धारित किया गया है। नगरपालिका परिषद् नारायणपुर के निर्वाचक नामावली का अंतिम प्रकाशन 22 नवम्बर 2024 को किया जाएगा। नगरपालिका क्षेत्रों में वार्ड क्रमांक 01 से 15 तक फ्लैक्स लगाकर एवं मुनादी करा कर जाबो कार्यक्रम अंतर्गत जागरूकता संबंधी कार्य किया जा रहा है, साथ ही सभी स्कुलों एवं शासकीय कार्यलयों में 05 सितम्बर एवं 02 अक्टुबर 2024 को शपथ कार्यकम किया गया है। मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को त्रुटि रहित निर्वाचक नामावली तैयार करने हेतु एजेंट नियुक्ति प्रपत्र 1 एवं प्रपत्र 2 उपलब्ध कराया गया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीएम श्री वासु जैन, स्थानीय उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सुमित गर्ग सहित पत्रकारगण उपस्थित थे।

मखाने की खेती को बढ़ावा दे रही योगी सरकार

18 जिलों के किसानों को मिलेगा 40 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान...

♦भारत टाइम्स♦

लखनऊ। योगी सरकार ने मखाने की खेती को बढ़ावा देने के लिए नई योजना शुरू की है। इसके तहत तहत किसानों को प्रति हेक्टेयर 40 हजार रुपये का अनुदान दिया जायेगा। प्रदेश के 18 जिलों में योजना की शुरूआत की गई है। इसमें उद्यान विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन के नवान्मेषी कार्यक्रम के अंतर्गत कार्य किया जा रहा है।

किसानों को कराना होगा पंजीकरण- योगी सरकार के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि मखाना खेती की विभाग द्वारा अनुमन्य इकाई की लागत 80 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर है।

चिह्नित जनपदों में 10 हेक्टेयर मखाना उत्पादन का लक्ष्य

योजना के तहत प्रत्येक चिह्नित जनपदों में 10 हेक्टेयर मखाना उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इससे प्रदेश में कुल 180 हेक्टेयर में मखाने की खेती होगी।

डेढ़ महीने में एमपी BJP ने बनाए डेढ़ करोड़ सदस्य,देश की टॉप-10 विधानसभाओं में इंदौर

1, 2 और छिंदवाड़ा, वीडी शर्मा बोले- हमने हासिल किया टारगेट

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा ने डेढ़ महीने में डेढ़ करोड़ सदस्य बनाए हैं। 2 सितंबर से बीजेपी का सदस्यता अभियान शुरू हुआ था। खास बात ये है कि इस सदस्यता अभियान में इंदौर लोकसभा में देश भर में सबसे ज्यादा सदस्य बने हैं। वहीं, इंदौर की ही विधानसभा क्रमांक 1 और 2 देश की टॉप 5 विधानसभा में शामिल हैं। जबकि छिंदवाड़ा 8वें नंबर पर है।

कहा था डेढ़ करोड़ सदस्य बनाएंगे- बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने बुधवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। कहा- सदस्यता अभियान में सभी राज्यों को अलग-अलग लक्ष्य मिला था। भोपाल में पहली कार्यशाला में हमने इतिहास बनाने की बात कही थी। हमने कहा था कि एमपी में डेढ़ करोड़ सदस्य बनाएंगे। अब इस लक्ष्य को हासिल कर लिया। पहले फेज में 1 करोड़ क्रॉस किया। सेकेंड फेज में मंगलवार रात तक 64871 बूथों पर एमपी में 1 करोड़ 50 हजार 28 हजार 107 मेंबर बन चुके हैं। इसने में 1 करोड़ 22 लाख लोगों ने डिजिटल फॉर्म भरा है। देश में फॉर्म भरने में एमपी

बहुत आगे बढ़कर काम कर रहा है। अभी ऑफलाइन मैंबरशिप हो रही है जहां नेटवर्क नहीं या घरों में मोबाइल नहीं हैं वहां ऑफलाइन मैंबरशिप की है। ये आंकड़ा आएगा तो वह भी बड़ा होगा। पहले दिन 46 हजार ऑफलाइन सदस्य बने थे उसमें एमपी में 23 हजार सदस्य बने थे।

कांग्रेस के आरोप पर कहा- जवाब देने की जरूरत नहीं- सदस्यता अभियान पर कांग्रेस के सवालों को लेकर वीडी ने कहा- जो लोग झूठ की राजनीति करते हैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भाजपा के कार्यकर्ता को झूठ फैलाने वालों को कोई जवाब देने की जरूरत नहीं है। एक करोड़ मैंबरशिप में 62% युवा मैंबर बने हैं। 17 हजार थर्ड जेंडर बीजेपी के मैंबर बने हैं।

200 सदस्य प्रति बूथ का टारगेट मिला, हमने 250 बनाए

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- केंद्रीय नेतृत्व ने 200 सदस्य प्रति बूथ का लक्ष्य दिया था। हमने एमपी में 250 सदस्य प्रति बूथ का लक्ष्य रखा और उसे पूरा किया। आने वाले समय में जिन्होंने 100 प्राथमिक सदस्य नहीं बनाए ऐसी 60 विधानसभाओं में 60%से कम लक्ष्य है, वहां 5 दिन में ये टारगेट पूरा करने का टाइम दिया है। इस पूरे अभियान के दौरान हम लोगों ने कुल 180 घंटे की वर्चुअल कॉन्फ्रेंस की।

मेरी लोकसभा का टारगेट पूरा, कार्यकर्ता चैन की नींद सोए

वीडी शर्मा ने कहा- सांसदों को 25 हजार का टारगेट पूरा करना था। मेरे संसदीय क्षेत्र खजुराहो के कार्यकताओं ने मंगलवार रात 12 बजे फोन करके बताया कि हमने अपने लोकसभा का टारगेट पूरा कर लिया है। अब हम चैन की नींद सोएंगे। **16 अक्टूबर से शुरू हुआ सक्रिय सदस्यता अभियान-** 16 अक्टूबर से सक्रिय सदस्यता का अभियान भी शुरू हुआ है। वीडी शर्मा ने कहा- सक्रिय सदस्यता में भी एमपी रिकॉर्ड बनाएगा।। लगातार सक्रिय रहे 3 लाख कार्यकताओं ने 2 सितंबर से लगातार काम किया। 2 से 25 सितंबर तक पहला चरण चला और 1 अक्टूबर से 15 अक्टूबर तक दूसरे चरण में कार्यकर्ता दिन-रात लगे रहे।

जामुड़िया के नदी गांव के बनर्जी परिवार में 450 वर्षो से 40 किलो वजन की अष्टधातु की लक्ष्मी की मूर्ति की पूजा की जाती है

♦भारत टाइम्स♦

मोहम्मद टोनी आलम जामुड़िया पश्चिम बर्दवान जिले के जामुड़िया नंदी गांव के बाबू पारा के बनर्जी परिवार द्वारा 450 साल से अधिक पुरानी लक्ष्मी पूजा बहुत धूमधाम से मनाई जाती रही है। इस मंदिर में 40 किलो वजनी अष्टधातु से बनी मूर्ति की पूजा की जाती है। बताया जाता है कि इस मूर्ति का 80 प्रतिशत हिस्सा सोने का है। लक्ष्मी पूजा के दिन ही इस मूर्ति को मंदिर में लाया जाता है और पूजा की जाती है। इस दिन प्रतिमा की सुरक्षा के लिए पुलिस का पहरा रहता है। नंदी गांव के बनर्जी परिवार के 12वें पुरुष राम किंकर बनर्जी ने स्वप्नादेश मिलने के बाद लक्ष्मी पूजा शुरू की. यह पूजा पहले राम किंकर बनर्जी के घर पर 70 साल पहले की जाती थी, परिवार के सदस्यों ने घर के बगल में एक विशाल लक्ष्मी मंदिर बनाया. वर्तमान में इस मंदिर का उपयोग मां लक्ष्मी की पूजा के लिए किया जाता है।

बनर्जी परिवार के एक सदस्य के अनुसार, बनर्जी परिवार के 12वें पुरुष राम किंकर बनर्जी विभिन्न व्यवसायों, विशेषकर कोयला खनन से जुड़े थे। उस समय उनका व्यवसाय बहुत अच्छा नहीं था उस समय राम किंकर बाबू का विवाह शैवलिनी देवी से हुआ। शादी के बाद व्यापार आगे बढ़ा और उसके बाद राम किंकर बाबू अपनी पत्नी को ही घर की लक्ष्मी कहते थे।

बुलंदशहर अवर अभियंता विद्युत शुभम कुमार के अनैतिक निलंबन के विरोध में अनिश्चितकालीन आंदोलन

♦भारत टाइम्स♦

जावेद खान। अवर अभियंता (विधुत) शुभम कुमार के अनैतिक निलंबन के विरोध में, आज दिनांक 16/10/2024 को अनिश्चितकालीन आंदोलन राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन जनपद - बुलंदशहर के अंकित बर्मन,मनीष कुमार,वैभव पांडे, अभिषेक द्विवेदी,विकस कुमार,रिशु कुमार, राहुल प्रकाश सहित अन्य सभी अवर अभियंता शुभम कुमार के अनैतिक निलंबन के विरोध में मुख्य अभियंता, बुलंदशहर के कार्यालय पर विरोध सभा में उपस्थित हुए ,आंदोलन की अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष श्री विजेंद्र कुमार यादव के द्वारा की गई और संचालन श्री सहदेव राम के द्वारा किया गया आज आंदोलन में मुख्य रूप से जनपद अध्यक्ष श्री विजेंद्र यादव जी ने अपने संबोधन में कहा कि - इस अनैतिक निलंबन को निरस्त न कर मुख्य अभियंता महोदय द्वारा अन्याय की नई मिसालें बनाई जा रही है।

मुख्य अभियंता महोदय द्वारा लगातार अनैतिक निलंबन के विरुद्ध किए जा रहे शान्तिपूर्वक आंदोलन को कुचलने हेतु सभी प्रकार के प्रयास किए जा रहे है, परंतु जब तक मुख्य अभियंता इस अनैतिक निलंबन को निरस्त नहीं करते तब तक राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन इस आंदोलन को अनवरत(24७7)करते रहेंगे। और सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि यदि शुक्रवार दिनांक 18.10.2024 तक शुभम कुमार अवर अभियंता का यह अनैतिक निलंबन निरस्त नहीं किया जाता है तो सांय 04:00 बजे जनपद बुलंदशहर के समस्त अवर अभियंता एवं प्रोन्नत अभियंता स्वयं को भी निलंबित मान मुख्य अभियंता कार्यालय पर सामुहिक रूप से अपना पत्र देकर निलंबित अभियंता की ही भांति मुख्य अभियंता कार्यालय पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते रहेंगे जिससे आंदोलन स्वतः ही पूर्ण कार्यबहिष्कार में परिवर्तित हो जायेगा ।यह निलंबन मुख्य अभियंता बुलंदशहर के द्वारा किसान यूनियन(महाशक्ति) के दबाव में अधिशासी अभियंता शिकारपुर और किसान यूनियन की मिलीभगत से किया गया है। तथा संगठन कड़े शब्दों में विरोध करता है, साथ ही जब तक शुभम कुमार का निलम्बन निरस्त नहीं किया जाता है, तब तक यह विरोध प्रदर्शन अनवरत (24७7) रूप से चलता रहेगा, यदि विरोध प्रदर्शन के दौरान किसी भी अवर अभियंता के विरुद्ध उत्पीड़नात्मक कार्यवाही की जाती है तो तत्काल प्रभाव से इस विरोध प्रदर्शन को और तेज किया जाएगा। संगठन की तरफ से यह मांग रखी गई की उक्त अनैतिक निलंबन को तत्काल निरस्त किया जाए तथा अधिशासी अभियंता के विरुद्ध कार्यवाही की जाए। जनपद अध्यक्ष/सचिव रा वि प जू ई संगठन, जनपद शाखा-बुलन्दशहर।

यूपी के बहराइच हिंसा क्या पहले से तय थी

एसटीएफ के सर्च अभियान में बातें आ रही सामने...

♦भारत टाइम्स♦

(शीतल निर्भीक)। लखनऊ। उत्तर प्रदेश के बहराइच के महराजगंज में रविवार को प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान पत्थरबाजी व रामगोपाल की हत्या करने वाले मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद के घर के छत का नया वीडियो सामने आया है। जिसमें उसके छत पर कई ईंटे व बोतलें पड़ी मिल रही हैं। जिसके बाद से पत्थरबाजी की घटना के प्री प्लान होने की चचाएँ तेज हो गई हैं। अब्दुल हमीद के छत की वीडियो सामने आने के बाद से लोगों का कहना है कि विसर्जन जुलूस के दौरान पत्थरबाजी कर अमन चैन में खलल डालने की तैयारी पूर्व सुनियोजित थी। घटना को अंजाम देने के लिए पहले से ही छत पर पत्थर व ईंट रख ली गई थी और बोतलें भी इकट्ठा थी। मंसूबों को पूरा करने के लिए डीजे पर बज रहे गाने को आधार बनाया गया और प्लानिंग के तहत गाने का विरोध करते हुए गाली गलौज शुरू कर दी गई। वहीं जब विसर्जन जुलूस में शामिल लोगों ने इसका विरोध किया गया तो योजना के मुताबिक छतों से ईंट-पत्थर व बोतलें चला कर प्रतिमा खंडित कर दी गई।

बुधवार को पांच पर शांतिभंग की कार्रवाई, भेजे गए जेल- महराजगंज की घटना के बाद से पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। बुधवार को हरदी पुलिस ने पांच लोगों पर शांतिभंग की कार्रवाई की। हरदी प्रभारी कमलशंकर चतुर्वेदी ने बताया कि शिवम वर्मा, राजन सिंह, सुशील तिवारी, विशाल अवस्थी व शिवाकांत पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि अब तक 55 से अधिक लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। वीडियो फुटेज से चिन्हित किए जा रहे उपद्रवी, सीएम को सौंपी जाएगी रिपोर्ट- महसी तहसील क्षेत्र के महाराजगंज कस्बे से बीते रविवार को दुर्गा प्रतिमा विर्सजन के दौरान शुरू हुई हिंसा में पूरे मामले की रिपोर्ट सीएम योगी ने तलब की है। सूत्र बताते है कि इसकी रिपोर्ट जिला पुलिस व प्रशासन के स्तर से भेजी जा चुकी है। ऐसे में जल्द ही पूरी रिपोर्ट सीएम के सामने होगी। वहीं इस मामले में जो भी उपद्रवी है उनको सीसीटीवी व सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो फुटेज के आधार पर चिन्हित करने का काम किया जा रहा है। प्रभावित इलाके को सुरक्षा के लिए नौ सेक्टर में बांटा गया है और पुलिस व प्रशासन के आला अफसर लगातार क्षेत्र में गश्त करने के साथ ही कैंप भी कर रहे है। इसी का नतीजा रहा कि बुधवार को किसी प्रकार की हिंसा सामने नहीं आई है। बता दें कि हिंसा के बाद सोशल मीडिया पर भ्रामक तथ्यों को प्रसारित कर तमाम लोगें ने जिले का माहौल बिगाड़ने का प्रयास भी किया गया है। अब पुलिस ने इसकी गहनता से जांच शुरू की है।

अगर नहीं थी तैयारी तो कैसे अचानक पहुंचे गए हजारों लोग

लोगों के मुताबिक पत्थरबाजी की घटना के बाद जब हम लोगों ने विरोध करना शुरू किया तो हजारो की संख्या में लोग पहुंचे गए,जिससे मौके पर अफरा तफरी मच गई। वहीं इसके बाद पुलिस ने लाठी चार्ज कर माहौल को और खराब कर दिया। बेहड़ा व खैरा में मुख्य आरोपियों को तलाश रही एसटीएफ- राम गोपाल मिश्रा हत्याकांड के भड़की भीड़ को कंट्रोल करने के लिए महसी में एसटीएफ की भी चार टीमें लगी हुई हैं। वहीं एसटीएफ चीफ अमिताफ एस भी कैंप कर चुके हैं। एसटीएफ घटना के मुख्य आरोपियों अब्दुल हमीद, उसके बेटों आदि को तलाशने में जुटी है।

एक जनवरी से हो सकती है जनगणना:31 दिसम्बर तक फ्रीज होंगी जिलें-गांवों की सीमाएं, मुख्य सचिव देंगे रिपोर्ट

भोपाल। 2011 के बाद से पेंडिंग जनगणना एक जनवरी 2025 से शुरू हो सकती है। इसके पहले 31 दिसम्बर 2024 तक एमपी में सभी जिलों, गांवों, शहरों और तहसीलों व वन क्षेत्रों की प्रशासनिक सीमाएं फ्रीज की जाएंगी। सीमा फ्रीज किए जाने की रिपोर्ट राज्य सरकार जनगणना निदेशालय को देगी। जनगणना निदेशालय के पत्र के बाद अब यही संभावना है कि नए संभागों, जिलों, तहसीलों और अन्य प्रशासनिक सीमाओं के गठन के पहले ही एमपी में मौजूदा प्रशासनिक सीमाओं के आधार पर जनगणना होगी, क्योंकि जनगणना शुरू होने के बाद इसके पूरा होने तक प्रशासनिक इकाईयों की सीमा में परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा। एमपी जनगणना निदेशालय की निदेशक भावना वालिम्बे द्वारा मुख्य सचिव अनुराग जैन को लिखे पत्र में कहा गया है कि वे प्रदेश के सभी संबंधित विभागों

खासतौर पर पंचायत और ग्रामीण विकास, नगरीय आ?वास और विकास विभाग, राजस्व विभाग तथा वन विभाग को यह निर्देश जारी करें कि राज्य की सभी प्रशासनिक इकाइयों जैसे जिले, तहसील, राजस्व ग्राम, वन ग्राम, नगरीय निकाय और उनके वार्डों आदि की सीमाओं को बदलने की स्थिति हो तो यह काम 31 दिसम्बर तक पूरा कर लिया जाए। अगर अगर परिवर्तन होता है तो इसकी जानकारी जनगणना निदेशालय को एक जनवरी के पहले दी जाए।

महा रजिस्ट्रार ने यह लिखा है एमपी सरकार को

केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले भारत के महा रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा 8 अक्टूबर को पत्र लिखकर कहा गया है कि प्रदेश के मुख्य सचिव आगामी जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को फ्रीज करने की कार्यवाही तय समय पर पूरी करेंगे। प्रदेश की प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को एक जनवरी 2025 से फ्रीज किया जाएगा। इसलिए राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि इसके लिए 31 दिसम्बर 2024 तक राज्य की प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं में परिवर्तन की अनुमति देने संबंधी निर्देश जारी करें ताकि एक जनवरी 2025 से प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को फ्रीज किया जा सके।

दीपावली से पूर्व वेतन व बोनस की पूरी धनराशि का नकद हो भुगतान

♦भारत टाइम्स♦

वाराणसी। 16 अक्टूबर 2024 दिपावली पर्व से पूर्व प्रदेश सरकार द्वारा हमेशा अराजपत्रित कर्मचारियों को बोनस दिये जाने के शासनादेश जारी किए जाते हैं,परन्तु इस बार माह के अन्त में दीपावली पर्व पड़ने के कारण माह अक्टूबर के वेतन के साथ बोनस का संयुक्त रुप से भुगतान कर्मचारियों को मिलने में संसय की स्थिति उत्पन्न हो गई है। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष शशिकान्त श्रीवास्तव ने कहा कि दीपावली पर्व से पूर्व यदि 20 अक्टूबर तक वेतन व बोनस के भुगतान के घोषणा कर शासनादेश नहीं जारी किए गए तो माह के अन्तिम समय में कार्य का अतिरिक्त बोझ पड़ने से कर्मचारियों का भुगतान आसानी से नहीं हो पायेगा, साथ ही अभी तक कर्मचारियों के बोनस के लिए ?7000 तक की घोषणा की जाती है जिसमें लगभग 1700 रुपए

का नगद भुगतान होता है और शेष धनराशि जी पी एफ एवं अन्य खातों में जमा की जाती है इस भीषण महंगाई में नकद ?1700 के भुगतान से कुछ नहीं हो पाएगा इसलिए घोषित पूरी धनराशि नकद भुगतान के भी शासनादेश जारी किए जाने की सरकार से मांग किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि क्षेत्र को निरंतर प्रगति की ओर किया है अग्रसर: सीएम योगी

♦भारत टाइम्स♦

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों का स्वागत किया। सीएम योगी ने जनहित में लिए गए सभी फैसलों के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया।

रबी फसलों की एमएसपी में वृद्धि का निर्णय अत्यंत सराहनीय- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा कि अन्नदाता किसानों के कल्याण के लिए सतत समर्पित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने दृढ़ नेतृत्व में कृषि क्षेत्र को निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर किया है। इस क्रम में आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा रबी विपणन सीजन 2025-26 के लिए रबी फसलों गेहूं, जौ, चना, मसूर, रेपसीड और सरसों, कुसुम के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि का निर्णय अत्यंत अभिनंदनीय है। सीएम योगी ने कहा कि यह निर्णय अन्नदाता किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ ही उन्हें कृषि क्षेत्र में और अधिक निवेश करने हेतु प्रोत्साहित भी करेगा। कृषक बंधुओं की आय में वृद्धि सुनिश्चित करते इस निर्णय हेतु प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार! त्योहारों के पावन असर पर केंद्रीय कर्मचारियों को मिला उपहार- सीएम योगी ने केंद्रीय कैबिनेट में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए किए गए निर्णय को अभिनंदनीय बताया। सीएम योगी ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीएम) और पेंशनर्स की महंगाई राहत (डीआर) की अतिरिक्त किस्त को स्वीकृति प्रदान की है। सीएम योगी ने पोस्ट में लिखा कि त्योहारों के इस पावन अवसर पर केंद्रीय कर्मचारियों को दिए गए इस उपहार के लिए आपका हार्दिक आभार प्रधानमंत्री जी!

वाराणसी और चंदौली के लोगों के लिए आत्मनिर्भरता के नए मार्ग भी प्रशस्त करेगी यह परियोजना - सीएम योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वाराणसी में गंगा नदी पर रेल-सह सड़क पुल निर्माण को स्वीकृति देने पर भी आभार जताया। सीएम ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में पावन नगरी काशी विकास के नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। इस विकास यात्रा को और गति प्रदान करते हुए आज केंद्रीय कैबिनेट द्वारा वाराणसी में गंगा नदी पर रेल-सह-सड़क पुल व वाराणसी-पंडित दीन दयाल उपाध्याय मल्टीट्रैकिंग के निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है।

सुजीत गुप्ता को व्यापार सभा का प्रदेश सचिव बनाया गया

यापार सभा के पदाधिकारी सुजीत गुप्ता को प्रदेश सचिव बनाये पर नगर के समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बधाई और हर्ष व्यक्त किया।

♦भारत टाइम्स♦

रामनगर। व्यापार सभा के पदाधिकारी सुजीत गुप्ता को प्रदेश सचिव बनाये पर नगर के समाजवादी पार्टी के नेताओं ने बधाई और हर्ष व्यक्त किया।और बोला की समाजवादी पार्टी के मजबूती और नीतियों एवम सिद्धांतो को समाज में मजबूती से रखा जाएगा।लोहियाजी के आदर्शों और पार्टी के मजबूती को प्रदेश में मजबूत किया जाएगा। एक जुट होकर 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए जनता के बीच पार्टी के नीतियों को

पहुंचाया जाएगा ।सुजीत सिंह पूर्व नगर अध्यक्ष,विवेक कहार, श्याम लाल, संगीता पटेल,जय सिंह टाइगर जिलाअध्यक्ष म.स.संजय .रामकुमार यादव पार्षद,आशीष राय,आरती यादव,पंकज यादव राष्ट्रीय सचिव,आलोक गुप्ता पूर्व डिप्टी चेयरमैन,उमेश यादव, मनीष, नरेश, सुरज सोनकर.इत्यादि लोगो ने बधाई दी।

ग्राम मैनपुर बाजार स्थल एवं हायर , सेकण्डरी पोटाकेबिन देवगांव में साइबर क्राईम जन-जागरूकता

♦भारत टाइम्स♦

नारायणपुर छत्तीसगढ़। (गोलू मरकाम)। कार्यक्रम का किया गया आयोजन। साइबर टीम नारायणपुर ने ग्रामीणों एवं स्कूली छात्रा/छात्राओं व शिक्षकों को संदिग्ध कॉल, लिंक या अंजान व्हाट्सएप ग्रुप एवं अन्य साइबर फ्रॉड से दूर रहने के संबंध में दिया गया समझाईस। फर्जी बैंक कॉल, केवाईसी अपडेट करने का झांसा, लॉटरी या पुरस्कार का लालच देकर धोखाधड़ी करने वालों से बचने एवं पासवर्ड सुरक्षा और व्यक्तिगत जानकारी को अंजान लोगों से साझा नहीं करने के संबंध में बताया गया।

ऑनलाईन ठगी होने पर पीड़ित 24 घंटे के भीतर डॉयल 1930 और साइबर हेल्प लाईन व्हाट्सएप नम्बर 9479281934 या ईमेल आईईडी ट्ीश्ष्ीं.ऱ५.ल्ल में अपनी शिकायत

दर्ज करने किया गया जागरूक। उक्त आयोजन का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को साइबर फ्रॉड से बचाना।

पुलिस अधीक्षक नारायणपुर श्री प्रभात कुमार (भा.पु.से.) एवं अति. पुलिस अधीक्षक नारायणपुर श्री रोबिनसन गुड़िया (भा.पु.से.) के मार्गदर्शन पर उप पुलिस अधीक्षक साइबर सेल डॉ. प्रशांत देवांगन के नेतृत्व में जिला नारायणपुर पुलिस द्वारा ह्यह्यराज्य व्यापी साइबर जन-जागरूकता पखवाड़ा अभियान ह्लह्ल चला कर क्षेत्र के लोगों को साइबर फॉड से बचने हेतु जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज दिनांक 16.10.2024 को साइबर टीम नारायणपुर थाना बेनूर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम मैनपुर बाजार स्थल पहुंचकर बैनर व पोस्टर लगाकर साइबर सुरक्षा पर जन-जागरूकता अभियान चलाकर आसपास क्षेत्र के ग्रामीणों को साइबर अपराध के संबंध में जागरूक किया गया और बताया गया कि- मजबूत पॉसवर्ड का उपयोग करें अपने अकाउण्ट में मजबूत और अनोखे पासवर्ड का उपयोग करे। पासवर्ड में अक्षर, संख्याएं और विशेष चिन्हों का मिश्रण होना

चाहिये। सावधानी से लिंक और इमेल खोले अंजान लिंक और इमेल से बचे यदि कोई संदिग्ध लिंग या इमेल मिलता है तो उसे न खोले और ना ही उस पर क्लिक करें। सोशल मीडिया पर सावधानी से काम करें सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें और अंजान लोगों से सावधान रहें। साइबर सुरक्षा जागरूकता बढ़ाये और साइबर सुरक्षा के बारे में जागरूक रहे और दूसरों को भी जागरूक करें।

ग्राामीणों को साइबर ठगी से बचने के बारे में बताया गया कि - संदिग्ध कॉल, लिंक या अंजान व्हाट्सएप ग्रुप से दूर रहे। फर्जी कॉल आने पर सूचना तुरंत पुलिस या साइबर सेल को देने ताकि समय पर कार्यवाही की जा सके।

साइबर टीम नारायणपुर द्वारा शैक्षणिक संस्थान पोटाकेबिन हायर सेकेण्डरी स्कूल देवगांव में पहुंचकर बैनर व पोस्टर लगाकर साइबर सुरक्षा के बारे में स्कूली छात्र/छात्राओं एवं शिक्षकों बताया गया कि अधिकांश साइबर अपराध सोशल मीडिया प्रोफाईल की सुरक्षा में कमी के कारण होते है जिससे डेटा चोरी या ठगी जैसी समस्याएं सामने आती है ओटीपी फॉड और यूपीआई फॉड जैसे साइबर अपराधों से सावधान रहने की सलाह दिया गया। आनलाईन स्पैम, फर्जी बैंक कॉल, केवाईसी अपडेट करने का झांसा, लॉटरी या ईनाम का लालच के नाम पर धोखाधड़ी, सरकारी एजेंसी के नाम धोखाधड़ी, पासवर्ड सुरक्षा के महत्व एवं अपने मोबाईल नम्बर और व्यक्तिगत जानकारी को लोगों से सुरक्षित रखने और अंजान लोगों के साथ व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने के बारे में बताया गया। साइबर टीम द्वारा स्कूली छात्र/छात्राओं से क्राईम के संबंध में मूलभूत प्रश्न किया गया जिसका छात्र/छात्राओं द्वारा सही जवाब दिये जाने के फलस्वरूप उन्हें नगद राशि से सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।